

AstroHelpDesk



कुंडली और जीवन

Review Demo

शनि - गुरु - बुध

सिंह · कुंभ

15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

आठ साथी पुस्तकें साथ

आपका निजी संस्करण

सरल शब्द · तारीखें · आधार

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

आपकी रिपोर्ट एक नज़र में

Review Demo · 17 अक्टू 2026 · Jaipur, India

पाँच जीवन क्षेत्र · जन्म कुंडली का सहयोग

1	सीख और रचना		28 अंक
2	धन		28 अंक
3	काम		27 अंक
4	दिनचर्या		24 अंक
5	रिश्ते		23 अंक

सर्वाष्टकवर्ग मूल राशि-सहयोग का योग है। यह व्यक्ति का मूल्य या घटना की संभावना नहीं है।

फलादेश के साथ रखने योग्य तीन सावधानियाँ

1. साझेदारी और बातचीत: चल रही छोटी दशाएँ इस क्षेत्र को सीधा अतिरिक्त बल नहीं देतीं। बड़ी जिम्मेदारी से पहले छोटा कदम परखें।
2. यात्रा और स्थान परिवर्तन: गुरु अभी इस क्षेत्र को अतिरिक्त सहयोग नहीं दे रहे। बड़ा वादा करने से पहले तैयारी और विस्तृत तारीखें देखें।
3. रोजमर्रा की देखभाल: यहाँ शनि जिम्मेदारी और गति सँभालने को कहते हैं। देरी की गुंजाइश रखें और जल्दी नतीजा पाने का दबाव न बनाएँ।

इस संस्करण की चल रही दशा

शनि - गुरु - बुध

आपके तीन मुख्य तारीख वाले दौर

मजबूत

24 जुल 2028 - 17 अक्टू 2028

करियर और काम: शनि संबंधित भाव का स्वामी शुक्र की जन्म राशि से गुजरता है; गुरु लग्न से संबंधित भाव 10 में या उस पर दृष्टि में है।

मजबूत

03 अक्टू 2027 - 26 नव 2027

प्रेम और रिश्ते: गुरु लग्न से संबंधित भाव 7 में या उस पर दृष्टि में है।

मध्यम

28 फ़र 2028 - 29 जून 2028

पढ़ाई और सीखना: गुरु लग्न से संबंधित भाव 5 में या उस पर दृष्टि में है।

समय के पूरे अध्याय में हर बदलता चरण और आधार है। तारीखों को असली परिस्थितियों के साथ योजना का संदर्भ मानें।

विषय-सूची में पूरा अध्याय देखें →

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

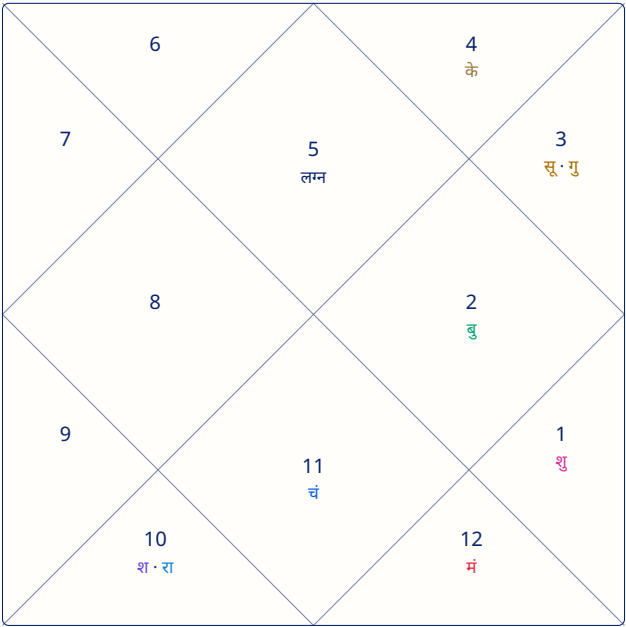
जीवन एक नज़र में

आपका स्वभाव

आपका लग्न सिंह, चंद्र कुंभ और सूर्य मिथुन में है। व्यवहार में आप उद्देश्य वाले, गर्मजोशी रखने वाले और जिम्मेदारी लेने वाले हैं; मन से स्वतंत्र, समाज का ध्यान रखने वाले और नई पद्धति अपनाने वाले और अपने उद्देश्य में जिज्ञासु, अभिव्यक्तिशील और विचार जोड़ने में तेज हैं।

मौजूदा दशा

शनि - गुरु - बुध



8 साथी पुस्तकें शामिल हैं: अतीत और वर्तमान, पढ़ाई, यात्रा, परिवार, संतुलन और दिनचर्या, व्यवसाय, घर और संपत्ति, आध्यात्मिकता

जन्म विवरण: 15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

जीवन के दौर · महादशा समयरेखा

गुरु	शनि	बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
1990	2014	2037	2061	2085		

ये परंपरागत वैदिक फलादेश हैं, गारंटी नहीं।

अध्याय 1

आपके जीवन की कहानी

17 अक्टू 2026 - 29 जून 2028 (उम्र 36-38): निर्णय लेने की स्पष्ट जगह और उसका परिणाम देखने का अवसर मिलने पर आप जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा सकते हैं। इसका आधार है कि आपके निजी गति क्षेत्र का स्वामी सूर्य, मित्रों और संपर्कों से जुड़ा है और उसमें रुकावट से अधिक सहयोग देने वाले संकेत हैं। 17 अक्टू 2026 - 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: एक परिणाम चुनें जिसे पूरा करना आपकी जिम्मेदारी हो, और प्रतिक्रिया उस काम पर लें, अपने मूल्य पर नहीं।

17 अक्टू 2026 - 29 जून 2028 (उम्र 36-38): परिवार की बदलती परिस्थिति में भरोसा दिलाने और व्यावहारिक सहयोग के बीच संतुलन रखना कठिन हो सकता है। इसका आधार है कि आपके घर क्षेत्र का स्वामी मंगल, अचानक बदलाव से जुड़ा है और उसमें जन्म स्थिति में अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ हैं। 17 अक्टू 2026 - 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: वही समय किसी दूसरे काम को देने का वादा करने से पहले एक नियमित जिम्मेदारी में मदद तय करें।

17 अक्टू 2026 - 29 जून 2028 (उम्र 36-38): मार्गदर्शक या पारिवारिक परंपरा की मजबूत अपेक्षा का तालमेल चल रहे बदलाव से बैठाना जरूरी हो सकता है। इसका आधार है कि आपके मार्गदर्शन क्षेत्र का स्वामी मंगल, अचानक बदलाव से जुड़ा है और उसमें जन्म स्थिति में अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ हैं। 17 अक्टू 2026 - 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: उपयोगी सिद्धांत को उस वादे से अलग करें जिसे निभा नहीं सकते, और इस अंतर पर सम्मानपूर्वक बात करें।

उम्र के साथ आपकी जीवन-कथा

बीती उम्र को अपनी यादों से मिलाएँ; आने वाली उम्र के संकेत संभावनाएँ हैं, जबकि पिछली जीवन-कहानी समग्र स्वभाव बताती है।

जन्म और शैशव • उम्र 0-6

0-6 की उम्र में: सहज होने के लिए अधिक भरोसे और शांत लय की जरूरत रही होगी। यह शुरुआती देखभाल के आसपास संभावित दबाव बताता है, माता-पिता के बारे में कोई घटना नहीं।

दशाओं का क्रम है: 0-3 की उम्र में राहु; उसके बाद 3-6 की उम्र में गुरु।

आपका चंद्र संवेदनशील संधि-बिंदु से काफी दूर है।

आधार: चंद्र कुंभ, भाव 7; निकटतम जल-अग्नि संधि से दूरी 2535.09 कला; जाँच की सीमा 48.00 कला। यह परंपरागत संवेदनशीलता-जाँच है, कोई चिकित्सकीय स्थिति नहीं।

घर का भरोसेमंद आधार

उम्र 1-3 • राहु-मंगल

अचानक बदलाव से शुरुआती देखभाल की लय बदलती रही होगी। शांत और परिचित दिनचर्या से सहज होने में मदद मिली होगी।

रोजमर्रा उस समय उपलब्ध सहयोग के बारे में पूछें और एक भरोसेमंद दिनचर्या चुनें जिसे आज भी रखना अच्छा लगे।

आधार: भाव 4: मंगल → मीन, भाव 8; D12 भाव 1; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; राहु-मंगल, 11 जून 1992 - 29 जून 1993, उम्र 1-3।

हौसला और परिवार की अपेक्षाएँ

उम्र 1-3 • राहु-मंगल

अचानक बदलाव से जुड़ी अपेक्षा छोटे बच्चे को मिलने वाले भरोसे से बड़ी लगी होगी।

रोजमर्रा कोई पुरानी अपेक्षा आज भी भारी लगे तो लिखें कि वह किसकी थी और क्या आज के जीवन में भी उसकी जगह है।

आधार: भाव 9: मंगल → मीन, भाव 8; D12 भाव 1; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; राहु-मंगल, 11 जून 1992 - 29 जून 1993, उम्र 1-3।

भरोसा देने वाली लय

उम्र 0 • राहु-सूर्य

दोस्तों के समूह में परिचित लोग और नियमित क्रम से नई चीज आजमाना अधिक सहज लगा होगा।

रोजमर्रा भरोसा देने वाली आवाज, जगह या व्यक्ति याद करें; उससे समझें कि आज किस बात से मन सँभलता है।

आधार: भाव 1: सूर्य → मिथुन, भाव 11; D1 भाव 11; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; राहु-सूर्य, 15 जून 1990 - 11 दिस 1990, उम्र 0।

बचपन • उम्र 7-12

7-12 की उम्र में: साथ चलने के लिए बार-बार कोशिश या अधिक व्यावहारिक मदद चाहिए रही होगी। यह पढ़ाई की माँग और सहयोग के मेल की बात है, क्षमता पर कोई ठप्पा नहीं।

दशाओं का क्रम है: 7-12 की उम्र में गुरु।

सीखना और भरोसा बढ़ना

उम्र 7-9 • गुरु-बुध

अचानक बदलाव से पढ़ाई की लय टूटती हो तो अधिक भरोसा या अलग तरीके से समझाना जरूरी रहा होगा।

रोजमर्रा स्कूल की एक खास कठिनाई और उसमें जरूरी मदद याद करें; लिखें कि कठिन क्या था और किससे सीखना आसान हुआ।

आधार: भाव 4: मंगल → मीन, भाव 8; D24 भाव 10; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; गुरु-बुध, 28 फ़र 1998 - 04 जून 2000, उम्र 7-9। | भाव 5: गुरु → मिथुन, भाव 11; D24 भाव 3; अन्य राशि; शत्रु राशि स्वामी; गुरु-शनि, 15 जून 1997 - 28 फ़र 1998, उम्र 7।

साथ रहना और अपनी बात कहना

उम्र 10-12 • गुरु-शुक्र

बड़ों के मार्गदर्शन से जुड़े साझा काम में पहल और सहयोग साथ सीखना आसान रहा होगा।

रोजमर्रा मिलकर अच्छी तरह किया एक काम याद करें और साथ काम करने का उसका उपयोगी नियम आज भी रखें।

आधार: भाव 3: शुक्र → मेष, भाव 9; D3 भाव 5; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; गुरु-शुक्र, 11 मई 2001 - 15 जून 2003, उम्र 10-12।

स्कूल के दिन की निभने वाली दिनचर्या

उम्र 7 • गुरु-शनि

दिनचर्या की छोटी माँ में जुड़ती रही होंगी, इसलिए विराम और निभने वाली अपेक्षा उपयोगी रहे होंगे।

रोजमर्रा रोज के किस छोटे काम का समय आज भी कम आँकते हैं, यह देखें और उसे दिन में उचित जगह दें।

आधार: भाव 6: शनि → मकर, भाव 6; D1 भाव 6; अपनी राशि; सम या अपना राशि स्वामी; वक्ती: दोबारा देखने की गुंजाइश; गुरु-शनि, 15 जून 1997 – 28 फ़र 1998, उम्र 7।

इस उम्र से मिलाकर देखने वाले पड़ाव: गुरु वापसी: 29 मई 2002, उम्र 11; राहु छाया ग्रह की अर्ध-वापसी: 03 अक्टू 1999, उम्र 9।

किशोरावस्था • उम्र 13-19

13-19 की उम्र में: अपनी दिशा खोजने में सलाह और निजी रुचि की तुलना जरूरी रही होगी। भरोसा और अपनापन अभी विकसित हो रहे हैं; एक असमान परिणाम पूरी उम्र की पहचान नहीं है।

दशाओं का क्रम है: 13-19 की उम्र में गुरु; उसके बाद 19 की उम्र में शनि।

पढ़ाई और दिशा का चुनाव

उम्र 13 • गुरु-शुक्र

दोस्तों के समूह में अपनी दिशा परखते समय सलाह और निजी रुचि अलग दिशा बताती रही होंगी।

रोजमर्रा पढ़ाई के पुराने चुनाव का कारण और रोज सच में पसंद आने वाले काम की तुलना करें।

आधार: भाव 5: गुरु → मिथुन, भाव 11; D24 भाव 3; अन्य राशि; शत्रु राशि स्वामी; गुरु-शुक्र, 15 जून 2003 – 10 जन 2004, उम्र 13। | भाव 9: मंगल → मीन, भाव 8; D24 भाव 10; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; गुरु-मंगल, 27 फ़र 2006 – 03 फ़र 2007, उम्र 15-16।

दोस्ती और शुरुआती लगाव

उम्र 13 • गुरु-शुक्र

दोस्तों के समूह में साथ पाने और अपने चुनाव की जगह रखने की इच्छा में खींचतान रही होगी।

रोजमर्रा कभी केवल साथ बने रहने के लिए मानी बात याद करें और आज अधिक साफ, सहज सीमा कहना सीखें।

आधार: भाव 5: गुरु → मिथुन, भाव 11; D9 भाव 12; अन्य राशि; शत्रु राशि स्वामी; गुरु-शुक्र, 15 जून 2003 – 10 जन 2004, उम्र 13।

अपने चुनाव पर टिकना

उम्र 13-14 • गुरु-सूर्य

दोस्तों के समूह की असली जिम्मेदारी सँभालने से केवल प्रशंसा की तुलना में अधिक भरोसा बढ़ा होगा।

रोजमर्रा अच्छे से सँभाला अपना एक निर्णय याद करें और लिखें कि वह क्यों सफल रहा।

आधार: भाव 1: सूर्य → मिथुन, भाव 11; D1 भाव 11; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; गुरु-सूर्य, 10 जन 2004 – 28 अक्टू 2004, उम्र 13-14।

इस उम्र से मिलाकर देखने वाले पड़ाव: राहु छाया ग्रह की वापसी: 19 जन 2009, उम्र 18।

युवावस्था • उम्र 20-35

20-35 की उम्र में: काम, संबंध और व्यापक दुनिया आपकी क्षमता को व्यावहारिक उपयोग दे सकते हैं। अच्छे मौके तब अधिक काम आते हैं जब उनसे साफ सहमति और नियमित काम बनें।

दशाओं का क्रम है: 20-35 की उम्र में शनि।

काम और पहला आर्थिक आधार

उम्र 25-29 • शनि-शुक्र

आगे की पढ़ाई से उपयोगी कौशल की पहचान बनती रही होगी और आर्थिक आधार अधिक भरोसेमंद बना होगा।

रोजमर्रा पूरे काम के उदाहरण रखें और तय करें कि नई जिम्मेदारी में कौन-सी आपकी असली ताकत बढ़ाती है।

आधार: भाव 10: शुक्र → मेष, भाव 9; D10 भाव 4; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; शनि-शुक्र, 20 अप्रै 2016 – 20 जून 2019, उम्र 25-29। | भाव 2: बुध → वृषभ, भाव 10; D2 भाव 12; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; शनि-बुध, 02 जुल 2012 – 12 मार्च 2015, उम्र 22-24।

साझा जीवन के लिए जगह

उम्र 20-22 • शनि-शनि

रोजमर्रा के काम में सहमति को निभाकर देखने के बाद बदलना, केवल और कोशिश के वादे से अधिक मददगार रहा होगा।

रोजमर्रा सहमति को निभाकर देखने के बाद उसकी समीक्षा करें और बार-बार कठिन पड़ने वाला हिस्सा बदलें।

आधार: भाव 7: शनि → मकर, भाव 6; D9 भाव 9; अपनी राशि; सम या अपना राशि स्वामी; वक्री: दोबारा देखने की गुंजाइश; शनि-शनि, 15 जून 2010 - 02 जुल 2012, उम्र 20-22।

नई जगह और व्यापक दुनिया

उम्र 29-31 • शनि-चंद्र

साझा समझौतों में तैयारी और मददगार संपर्क से नई जगह या पढ़ाई उपयोगी नई सोच देती रही होगी।

रोजमर्रा स्थान-परिवर्तन में मदद देने वाला संपर्क या व्यावहारिक सबक सँभालें और अगले बदलाव में काम लें।

आधार: भाव 12: चंद्र → कुंभ, भाव 7; D4 भाव 1; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; शनि-चंद्र, 01 जून 2020 - 01 जन 2022, उम्र 29-31।

इस उम्र से मिलाकर देखने वाले पड़ाव: गुरु वापसी: 14 सित 2013, उम्र 23; गुरु वापसी: 31 दिस 2013, उम्र 23; गुरु वापसी: 08 मई 2014, उम्र 23; गुरु वापसी: 23 अग 2025, उम्र 35; गुरु वापसी: 11 फ़र 2026, उम्र 35; गुरु वापसी: 08 अप्रै 2026, उम्र 35; शनि वापसी: 27 जन 2020, उम्र 29; राहु छाया ग्रह की अर्ध-वापसी: 09 मई 2018, उम्र 27।

मध्य जीवन • उम्र 36-55

इस उम्र में: काम और आप पर भरोसा रखने वाले लोगों के लिए अनुभव मजबूत सहारा बन रहा है। ऐसी जिम्मेदारी चुनें जिसमें आपकी समझ का साफ उपयोग दिखे।

दशाओं का क्रम है: 36-38 की उम्र में शनि; उसके बाद 38-55 की उम्र में बुध; उसके बाद 55 की उम्र में केतु।

वह दशा जिसमें आप अभी हैं

29 जून 2028 तक शनि का दौर रोजमर्रा के काम; साझा समझौतों पर ध्यान दिलाता है। देखें कि इसका असर रोजमर्रा के काम पर कैसे पड़ता है।

29 जून 2028 तक गुरु का दौर रचनात्मक रुचियों; अचानक बदलाव पर ध्यान दिलाता है। देखें कि इसका असर मित्रों और संपर्कों पर कैसे पड़ता है।

अनुभव, जिम्मेदारी और उसका प्रतिफल

उम्र 41-44 • बुध-शुक्र

आगे की पढ़ाई में काम आया अनुभव ऐसी पहचानी जिम्मेदारी बन सकता है जिसका परिणाम दूसरों को साफ दिखे।

रोजमर्रा एक योगदान का जिम्मेदार व्यक्ति, पूरा होने की शर्त और उपयोग साफ करें; फिर उसका परिणाम दूसरों को समझने दें।

आधार: भाव 10: शुक्र → मेष, भाव 9; D10 भाव 4; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; बुध-शुक्र, 22 नव 2031 - 22 सित 2034, उम्र 41-44। | भाव 11: बुध → वृषभ, भाव 10; D2 भाव 12; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; बुध-बुध, 29 जून 2028 - 25 नव 2030, उम्र 38-40।

सबको सहारा देने वाला घरेलू आधार

उम्र 46-47 • बुध-मंगल

अचानक बदलाव के घरेलू विषय पहले से व्यस्त ध्यान को खींच सकते हैं; व्यावहारिक मदद खास उपयोगी हो सकती है।

रोजमर्रा इस सप्ताह का जरूरी काम और इंतजार कर सकने वाली बात अलग करें; पहले व्यावहारिक काम में मदद माँगें।

आधार: भाव 4: मंगल → मीन, भाव 8; D4 भाव 2; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; बुध-मंगल, 28 दिस 2036 - 25 दिस 2037, उम्र 46-47। | भाव 9: मंगल → मीन, भाव 8; D12 भाव 1; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; बुध-मंगल, 28 दिस 2036 - 25 दिस 2037, उम्र 46-47।

देखभाल और आगे पहुँचने वाली सीख

उम्र 36-38 • शनि-गुरु

मित्रों और संपर्कों में देखभाल सार्थक हो सकती है, फिर भी दिए जाने वाले समय और ऊर्जा की निभने वाली सीमा जरूरी है।

रोजमर्रा अगले कुछ हफ्तों के लिए मदद की स्पष्ट सीमा तय करें और तय तारीख पर देखें कि कितनी मदद सहज है।

आधार: भाव 5: गुरु → मिथुन, भाव 11; D7 भाव 3; अन्य राशि; शत्रु राशि स्वामी; शनि-गुरु, 15 जून 2026 - 29 जून 2028, उम्र 36-38।

इस उम्र से मिलाकर देखने वाले पड़ाव: गुरु वापसी: 06 अग 2037, उम्र 47; राहु छाया ग्रह की वापसी: 27 अग 2027, उम्र 37; राहु छाया ग्रह की अर्ध-वापसी: 14 दिस 2036, उम्र 46; राहु छाया ग्रह की वापसी: 02 अप्रै 2046, उम्र 55।

सेवानिवृत्ति के पास • उम्र 56-65

आगे के लिए: गति बदलने से अनुभव का अधिक सोचकर उपयोग करने की जगह बन सकती है। हर पुराना काम रखने से अधिक निरंतरता और चुना योगदान महत्वपूर्ण है।

दशाओं का क्रम है: 56-62 की उम्र में केतु; उसके बाद 62-65 की उम्र में शुक्र।

हल्की जिम्मेदारी के साथ भरोसेमंद आधार

उम्र 61-62 • केतु-बुध

पेशे की जिम्मेदारियों का भरोसेमंद आधार काम की गति बदलने को अचानक रुकावट के बजाय तैयार किया हुआ चुनाव बना सकता है।

रोजमर्रा लिखें कि कौन-सी जारी जिम्मेदारी रखना चाहते हैं और किसे उद्देश्य बचाते हुए दूसरे को दिया जा सकता है।

आधार: भाव 2: बुध → वृषभ, भाव 10; D2 भाव 12; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; केतु-बुध, 02 जुल 2051 - 28 जून 2052, उम्र 61-62। | भाव 4: मंगल → मीन, भाव 8; D4 भाव 2; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; केतु-मंगल, 01 जन 2048 - 29 मई 2048, उम्र 57।

अनुभव को उपयोगी बनाना

उम्र 57 • केतु-मंगल

अचानक बदलाव में हर समय जरूरत पड़ते रहने की भूमिका छोड़ने और अपनी पसंद का उद्देश्य बनाने में समय लग सकता है।

रोजमर्रा एक ऐसा काम रखें जिसका अर्थ किसी के परिणाम जाँचने पर निर्भर न हो।

आधार: भाव 9: मंगल → मीन, भाव 8; D20 भाव 6; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; केतु-मंगल, 01 जन 2048 - 29 मई 2048, उम्र 57।

अपनी पसंद की दिनचर्या

उम्र 59-61 • केतु-शनि

काम का समय हल्का हो तब भी रोजमर्रा के काम से घर की जिम्मेदारी या पुरानी आदत आए तो नई व्यवस्था चाहिए हो सकती है।

रोजमर्रा सप्ताह कितना निभने योग्य लगा, यह देखें और खाली जगह भरने के बजाय एक नियमित माँग बदलें।

आधार: भाव 6: शनि → मकर, भाव 6; D1 भाव 6; अपनी राशि; सम या अपना राशि स्वामी; वक्री: दोबारा देखने की गुंजाइश; केतु-शनि, 23 मई 2050 - 02 जुल 2051, उम्र 59-61।

इस उम्र से मिलाकर देखने वाले पड़ाव: गुरु वापसी: 21 जुल 2049, उम्र 59; शनि वापसी: 10 मार्च 2049, उम्र 58; शनि वापसी: 05 जुल 2049, उम्र 59; शनि वापसी: 07 दिस 2049, उम्र 59; राहु छाया ग्रह की अर्ध-वापसी: 21 जुल 2055, उम्र 65।

आगे के वर्ष • 66 वर्ष के बाद

आगे के लिए: परिचित रुचि और भरोसेमंद संबंध सामान्य दिन को संतोष दे सकते हैं। जुड़ाव की अपनी मात्रा चुनते हुए अनुभव बाँटने में अर्थ मिल सकता है।

दशाओं का क्रम है: 66-82 की उम्र में शुक्र; उसके बाद 82-88 की उम्र में सूर्य; उसके बाद 88-91 की उम्र में चंद्र।

खुद को साबित करने के दबाव बिना गहराई

उम्र 88 • चंद्र-चंद्र

साझा समझौतों में पढ़ाई या परिचित मनन से दूसरे के चुनाव नियंत्रित किए बिना संतोष मिल सकता है।

रोजमर्रा एक छोटा अभ्यास इसलिए रखें कि वह आपके लिए मायने रखता है; कोई पूछे तो अनुभव या कौशल बाँटें।

आधार: भाव 12: चंद्र → कुंभ, भाव 7; D20 भाव 10; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; चंद्र-चंद्र, 29 जून 2078 - 29 अप्रै 2079, उम्र 88।

संपर्क सहज रखना

उम्र 78-80 • शुक्र-बुध

पेशे की जिम्मेदारियों में नियमित संपर्क से साथ और सामान्य व्यावहारिक सहयोग आसानी से मिल सकते हैं।

रोजमर्रा जिस व्यक्ति से बात करना अच्छा लगता है, उससे सामान्य समय पर संपर्क का क्रम बनाएँ।

आधार: भाव 11: बुध → वृषभ, भाव 10; D7 भाव 5; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; शुक्र-बुध, 28 जून 2068 - 29 अप्रै 2071, उम्र 78-80।

सामान्य दिनों में सहजता

उम्र 82 • सूर्य-सूर्य

मित्रों और संपर्कों में परिचित दिनचर्या स्वतंत्रता और पसंद के साथ, दोनों के लिए जगह बना सकती है।

रोजमर्रा हर दिन एक काम अपनी पसंद का रखें और बाकी दिन को असली जरूरत के अनुसार बदलें।

आधार: भाव 1: सूर्य → मिथुन, भाव 11; D1 भाव 11; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; सूर्य-सूर्य, 28 जून 2072 – 16 अक्टू 2072, उम्र 82।

इस उम्र से मिलाकर देखने वाले पड़ाव: गुरु वापसी: 05 जुल 2061, उम्र 71; गुरु वापसी: 19 जून 2073, उम्र 83; शनि वापसी: 17 जन 2079, उम्र 88; राहु छाया ग्रह की वापसी: 07 नव 2064, उम्र 74; राहु छाया ग्रह की अर्ध-वापसी: 25 फ़र 2074, उम्र 83।

अंतिम चरण की उम्र-सीमा खुली है। यहाँ दी तारीखें रिपोर्ट की संदर्भ-सीमा के चुने योजना-पड़ाव हैं, किसी के जीवन की अवधि का अनुमान नहीं।

शनि के लंबे दौर

साढ़ेसाती 1: पहला चरण: 15 जून 1990 – 10 नव 1993, उम्र 0-3; मध्य चरण: 05 मार्च 1993 – 16 फ़र 1996, उम्र 2-5; अंतिम चरण: 02 जून 1995 – 17 अप्रै 1998, उम्र 4-7।

साढ़ेसाती 2: पहला चरण: 24 जन 2020 – 17 जन 2023, उम्र 29-32; मध्य चरण: 29 अप्रै 2022 – 29 मार्च 2025, उम्र 31-34; अंतिम चरण: 29 मार्च 2025 – 23 फ़र 2028, उम्र 34-37।

साढ़ेसाती 3: पहला चरण: 06 मार्च 2049 – 25 फ़र 2052, उम्र 58-61; मध्य चरण: 25 फ़र 2052 – 05 फ़र 2055, उम्र 61-64; अंतिम चरण: 14 मई 2054 – 07 अप्रै 2057, उम्र 63-66।

साढ़ेसाती 4: पहला चरण: 15 जन 2079 – 12 अप्रै 2081, उम्र 88-90; मध्य चरण: 12 अप्रै 2081 – 15 जून 2081, उम्र 90-91।

ढैया, चंद्र से शनि का स्थान 4: 07 जून 2000 – 07 अप्रै 2003, उम्र 9-12।

ढैया, चंद्र से शनि का स्थान 8: 10 सित 2009 – 04 अग 2012, उम्र 19-22।

ढैया, चंद्र से शनि का स्थान 4: 08 अग 2029 – 31 मई 2032, उम्र 39-41।

ढैया, चंद्र से शनि का स्थान 8: 22 अक्टू 2038 – 26 सित 2041, उम्र 48-51।

ढैया, चंद्र से शनि का स्थान 4: 27 मई 2059 – 07 मार्च 2062, उम्र 68-71।

ढैया, चंद्र से शनि का स्थान 8: 30 अग 2068 – 04 नव 2070, उम्र 78-80।

राशि-सीमा की छोटी वापसी को एक चरण में रखा है; हर प्रवेश की सही तारीख शनि की संदर्भ-सारणियों में है।

उम्र के साथ आपकी धन-कथा

आपकी कमाई का मजबूत रास्ता ऐसा उपयोगी काम है जिसे दूसरे पहचानें और भरोसे से लें। नीचे के दौर बताते हैं कि कब इस क्षमता का आधार बढ़ाना उपयोगी है और कब खर्च या साझा जिम्मेदारी पर अधिक ध्यान चाहिए।

लगभग 20-65 वर्ष की वर्तमान और आने वाली अवधियाँ पहले हैं; हर समूह में पहले लंबे सहारे को और फिर बल को महत्व दिया गया है। बीती अवधियों को अपने अनुभव से मिलाकर देखें।

धन का आधार बनाने वाले सबसे अच्छे दौर

क्रम 1 • उम्र 61-62 • 17 अक्टू 2051 – 28 जून 2052

केतु-बुध में कमाई या बचत का स्वामी और गुरु का अनुकूल समय साथ आते हैं। पेशे की जिम्मेदारियों से जुड़े अवसर टिकाऊ आधार बनाने में सहायक हो सकते हैं; यह तैयारी का समय है, लाभ का वादा नहीं।

कामकाजी उम्र की सूची में यह पहले स्थान पर है: बुध का दौर बचत को सक्रिय करता है। यहाँ केतु के लंबे दौर के साथ यहाँ बुध की अंतर्दशा चलती है; आय या बचत पर गुरु का सहयोग करीब 8 महीने साथ रहता है। बुध की मूल स्थिति अधिक भरोसेमंद सहारा देती है।

आधार: भाव 2: बुध → वृषभ, भाव 10; D2 भाव 12; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; केतु-बुध, 17 अक्टू 2051 – 28 जून 2052, उम्र 61-62। | भाव 11: बुध → वृषभ, भाव 10; D2 भाव 12; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; केतु-बुध, 17 अक्टू 2051 – 28 जून 2052, उम्र 61-62।

क्रम 2 • उम्र 22-24 • 31 मई 2013 – 19 जून 2014

शनि-बुध में कमाई या बचत का स्वामी और गुरु का अनुकूल समय साथ आते हैं। पेशे की जिम्मेदारियों से जुड़े अवसर टिकाऊ आधार बनाने में सहायक हो सकते हैं; यह तैयारी का समय है, लाभ का वादा नहीं।

शनि-बुध में आय या बचत पर गुरु का सहयोग करीब 13 महीने साथ रहता है। यह लगातार बना संबंध खास है क्योंकि इस दौर के दोनों स्वामियों का संबंध तटस्थ है; इसलिए मूल स्थिति और अवधि मुख्य आधार हैं; साथ ही बुध की मूल स्थिति अधिक भरोसेमंद सहारा देती है।

आधार: भाव 2: बुध → वृषभ, भाव 10; D2 भाव 12; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; शनि-बुध, 31 मई 2013 - 19 जून 2014, उम्र 22-24। | भाव 11: बुध → वृषभ, भाव 10; D2 भाव 12; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; शनि-बुध, 31 मई 2013 - 19 जून 2014, उम्र 22-24।

पैसे के मामले में अधिक सावधानी वाले दौर

क्रम 1 • उम्र 35-38 • 16 दिस 2025 - 29 जून 2028

शनि-गुरु में उपयोगी खर्च और अनदेखे छोटे भुगतान साथ आ सकते हैं। मित्रों और पेशेवर संपर्कों से जुड़ी जिम्मेदारियों का साफ लेखा रखें, खासकर जब निर्णय में कई लोग शामिल हों।

कामकाजी उम्र की सूची में यह पहले स्थान पर है: गुरु का दौर साझा दायित्व को सक्रिय करता है। यहाँ इस दौर के दोनों स्वामियों का संबंध तटस्थ है; इसलिए मूल स्थिति और अवधि मुख्य आधार हैं; खर्च से जुड़ा दौर करीब 30 महीने रहता है। गुरु को जन्म-कुंडली के अनुकूल ग्रह से सहयोग मिलता है।

आधार: भाव 8: गुरु → मिथुन, भाव 11; D2 भाव 12; अन्य राशि; शत्रु राशि स्वामी; शनि-गुरु, 16 दिस 2025 - 29 जून 2028, उम्र 35-38। | भाव 12: चंद्र → कुंभ, भाव 7; D2 भाव 12; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; बुध-गुरु, 16 दिस 2025 - 29 जून 2028, उम्र 35-38।

क्रम 2 • उम्र 50-52 • 14 जुल 2040 - 20 अक्टू 2042

बुध-गुरु में उपयोगी खर्च और अनदेखे छोटे भुगतान साथ आ सकते हैं। मित्रों और पेशेवर संपर्कों से जुड़ी जिम्मेदारियों का साफ लेखा रखें, खासकर जब निर्णय में कई लोग शामिल हों।

बुध-गुरु में खर्च से जुड़ा दौर करीब 27 महीने रहता है। यह लगातार बना संबंध खास है क्योंकि इस दौर के दोनों स्वामी अलग दिशा खींचते हैं, इसलिए प्राथमिकताएँ साफ रखना जरूरी है; साथ ही गुरु को जन्म-कुंडली के अनुकूल ग्रह से सहयोग मिलता है।

आधार: भाव 8: गुरु → मिथुन, भाव 11; D2 भाव 12; अन्य राशि; शत्रु राशि स्वामी; बुध-गुरु, 14 जुल 2040 - 20 अक्टू 2042, उम्र 50-52। | भाव 12: चंद्र → कुंभ, भाव 7; D2 भाव 12; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; बुध-गुरु, 14 जुल 2040 - 20 अक्टू 2042, उम्र 50-52।

क्रम 3 • उम्र 45-46 • 30 जुल 2035 - 28 दिस 2036

बुध-चंद्र में उपयोगी खर्च और अनदेखे छोटे भुगतान साथ आ सकते हैं। मित्रों और पेशेवर संपर्कों से जुड़ी जिम्मेदारियों का साफ लेखा रखें, खासकर जब निर्णय में कई लोग शामिल हों।

इस अवसर की अवधि उसे छोटे संकेत से अलग बनाती है: खर्च से जुड़ा दौर करीब 17 महीने रहता है। बुध-चंद्र में इस दौर के दोनों स्वामियों की मित्रता काम को एक दिशा में ले जाने में सहायक है; साथ ही चंद्र की मूल स्थिति अधिक भरोसेमंद सहारा देती है।

आधार: भाव 8: गुरु → मिथुन, भाव 11; D2 भाव 12; अन्य राशि; शत्रु राशि स्वामी; बुध-चंद्र, 30 जुल 2035 - 28 दिस 2036, उम्र 45-46। | भाव 12: चंद्र → कुंभ, भाव 7; D2 भाव 12; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; बुध-चंद्र, 30 जुल 2035 - 28 दिस 2036, उम्र 45-46।

घर और संपत्ति के समय-संकेत

क्रम 1 • उम्र 31-32 • 13 अप्रै 2022 - 09 फ़र 2023

शनि-मंगल में संपत्ति का विषय सक्रिय हो सकता है, जबकि घर का स्वामी अधिक दबाव सँभाल रहा है। साझा आर्थिक दायित्वों से जुड़े निर्णय में कागज, रखरखाव और साझा जिम्मेदारी देखने का समय दें; कुंडली खरीद की जल्दी का कारण नहीं है।

कामकाजी उम्र की सूची में यह पहले स्थान पर है: मंगल का दौर घर के विषय को सक्रिय करता है। यहाँ इस दौर के दोनों स्वामियों का संबंध तटस्थ है; इसलिए मूल स्थिति और अवधि मुख्य आधार हैं; घर के क्षेत्र से गुरु का संबंध करीब 10 महीने रहता है। मंगल की स्थिति अतिरिक्त मेहनत और जिम्मेदारियों के लिए गुंजाइश रखने को कहती है।

आधार: भाव 4: मंगल → मीन, भाव 8; D4 भाव 2; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; शनि-मंगल, 13 अप्रै 2022 - 09 फ़र 2023, उम्र 31-32।

जीवन के बाद के वर्षों की आर्थिक अवधि

लगभग 66 वर्ष से आगे इन अवधियों को आर्थिक सुरक्षा, परिवार के सहारे और घर की जिम्मेदारियों के संदर्भ में पढ़ें। इन्हें कामकाजी उम्र की प्राथमिकता सूची से अलग रखा गया है; लाभ या किसी परिणाम की गारंटी नहीं है।

आर्थिक सुरक्षा और परिवार का सहारा: सूर्य-बुध • उम्र 85-86 • 16 अप्रै 2076 - 17 अक्टू 2076।

खर्च और साझा जिम्मेदारियों की समीक्षा: शुक्र-गुरु • उम्र 72-74 • 29 अग 2062 - 29 अप्रै 2065; शुक्र-चंद्र • उम्र 66-68 • 28 अक्टू 2056 - 29 जून 2058; चंद्र-राहु • उम्र 89-90 • 28 नव 2079 - 29 मई 2081।

घर और परिवार की व्यवस्था: शुक्र-मंगल • उम्र 68 • 29 जून 2058 - 04 मार्च 2059।

धन की कहानी के छह कुंडली-आधार

ऊपर की जन्म-स्थितियाँ जीवन भर एक रहती हैं; नीचे की दशाएँ बताती हैं कि उनके विषय कब सामने आते हैं।

उम्र के साथ धन की कहानी कैसे बदलती है

जन्म और शैशव

इस शुरुआती उम्र में धन का अर्थ बच्चे के आसपास के साधन और देखभाल है, उसकी अपनी कमाई नहीं। आमदनी और उपयोगी काम, उम्र 5-6: परिवार के काम और उपयोगी संपर्क से जरूरत की चीजें जुटाने में सहारा मिला होगा। बचत और पारिवारिक साधन, उम्र 3-5: परिचित साधनों को व्यवस्थित और भरोसेमंद बनाए रखने का उपयोगी सहयोग है। खर्च और अनपेक्षित माँग, उम्र 0-1: रोज की जरूरत और अचानक के खर्च एक ही साधन से पूरे करने पड़े होंगे। घर और संपत्ति, उम्र 1-3: घर की व्यवस्था स्थिर रखने के लिए अधिक सहयोग या तैयारी जरूरी रही होगी।

बचपन

आमदनी और उपयोगी काम, उम्र 10-12: परिवार के काम और उपयोगी संपर्क से जरूरत की चीजें जुटाने में सहारा मिला होगा। बचत और पारिवारिक साधन, उम्र 7-9: परिचित साधनों को व्यवस्थित और भरोसेमंद बनाए रखने का उपयोगी सहयोग है। खर्च और अनपेक्षित माँग, उम्र 10-12: रोज की जरूरत और अचानक के खर्च एक ही साधन से पूरे करने पड़े होंगे। घर और संपत्ति, उम्र 7: घर की व्यवस्था स्थिर रखने के लिए अधिक सहयोग या तैयारी जरूरी रही होगी।

किशोरावस्था

आमदनी और उपयोगी काम, उम्र 13: परिवार के काम और उपयोगी संपर्क से जरूरत की चीजें जुटाने में सहारा मिला होगा। बचत और पारिवारिक साधन, उम्र 13: परिचित साधनों को व्यवस्थित और भरोसेमंद बनाए रखने का उपयोगी सहयोग है। खर्च और अनपेक्षित माँग, उम्र 14-15: रोज की जरूरत और अचानक के खर्च एक ही साधन से पूरे करने पड़े होंगे। घर और संपत्ति, उम्र 15-16: घर की सुविधा की इच्छा को बदलती जिम्मेदारी के साथ मिलाना पड़ा होगा।

युवावस्था

आमदनी और उपयोगी काम, उम्र 25-29: काम के स्वामी को अच्छा सहयोग है; पढ़ाई और प्रशिक्षण से जुड़े अवसर कौशल की पहचान और भुगतान में सहायक हो सकते हैं। बचत और पारिवारिक साधन, उम्र 22-24: बचत के स्वामी को उपयोगी सहयोग है; पेशे की जिम्मेदारियों की व्यवस्था साफ हो तो कमाई सँभालना आसान है। खर्च और अनपेक्षित माँग, उम्र 29-31: साझा समझौतों के खर्च में उपयोगी दायित्व और आसानी से छूट जाने वाले भुगतान साथ हो सकते हैं। घर और संपत्ति, उम्र 31-32: साझा आर्थिक दायित्वों से जुड़े घरेलू दायित्व में अधिक तैयारी, सहयोग और व्यावहारिक जाँच का समय चाहिए हो सकता है।

मूल जाँच से इस उम्र के अन्य समय-संकेत: धन का आधार बनाने वाले सबसे अच्छे दौर: शनि-बुध, 31 मई 2013 - 19 जून 2014, उम्र 22-24; पैसे के मामले में अधिक सावधानी वाले दौर: शनि-चंद्र, 01 जून 2020 - 01 जन 2022, उम्र 29-31; घर और संपत्ति के समय-संकेत: शनि-मंगल, 13 अप्रै 2022 - 09 फ़र 2023, उम्र 31-32।

मध्य जीवन

आमदनी और उपयोगी काम, उम्र 41-44: काम के स्वामी को अच्छा सहयोग है; पढ़ाई और प्रशिक्षण से जुड़े अवसर कौशल की पहचान और भुगतान में सहायक हो सकते हैं। बचत और पारिवारिक साधन, उम्र 38-40: बचत के स्वामी को उपयोगी सहयोग है; पेशे की जिम्मेदारियों की व्यवस्था साफ हो तो कमाई सँभालना आसान है। खर्च और अनपेक्षित माँग, उम्र 45-46: साझा समझौतों के खर्च में उपयोगी दायित्व और आसानी से छूट जाने वाले भुगतान साथ हो सकते हैं। घर और संपत्ति, उम्र 46-47: साझा आर्थिक दायित्वों से जुड़े घरेलू दायित्व में अधिक तैयारी, सहयोग और व्यावहारिक जाँच का समय चाहिए हो सकता है।

मूल जाँच से इस उम्र के अन्य समय-संकेत: धन का आधार बनाने वाले सबसे अच्छे दौर: बुध-बुध, 24 जुल 2028 - 26 दिस 2028, उम्र 38; पैसे के मामले में अधिक सावधानी वाले दौर: बुध-गुरु, 14 जुल 2040 - 20 अक्टू 2042, उम्र 50-52; घर और संपत्ति के समय-संकेत: बुध-मंगल, 16 सित 2037 - 25 दिस 2037, उम्र 47।

सेवानिवृत्ति के पास

आमदनी और उपयोगी काम, उम्र 62-65: काम के स्वामी को अच्छा सहयोग है; पढ़ाई और प्रशिक्षण से जुड़े अवसर कौशल की पहचान और भुगतान में सहायक हो सकते हैं। बचत और पारिवारिक साधन, उम्र 61-62: बचत के स्वामी को उपयोगी सहयोग है; पेशे की जिम्मेदारियों की व्यवस्था साफ हो तो कमाई सँभालना आसान है। खर्च और अनपेक्षित माँग, उम्र 56-57: साझा समझौतों के खर्च में उपयोगी दायित्व और आसानी से छूट जाने वाले भुगतान साथ हो सकते हैं। घर और संपत्ति, उम्र 57: साझा आर्थिक दायित्वों से जुड़े घरेलू दायित्व में अधिक तैयारी, सहयोग और व्यावहारिक जाँच का समय चाहिए हो सकता है।

मूल जाँच से इस उम्र के अन्य समय-संकेत: धन का आधार बनाने वाले सबसे अच्छे दौर: केतु-बुध, 17 अक्टू 2051 – 28 जून 2052, उम्र 61-62; पैसे के मामले में अधिक सावधानी वाले दौर: केतु-गुरु, 16 जून 2049 – 23 मई 2050, उम्र 59।

आगे के वर्ष

आमदनी और उपयोगी काम, उम्र 87-88: काम के स्वामी को अच्छा सहयोग है; पढ़ाई और प्रशिक्षण से जुड़े अवसर कौशल की पहचान और भुगतान में सहायक हो सकते हैं।

बचत और पारिवारिक साधन, उम्र 78-80: बचत के स्वामी को उपयोगी सहयोग है; पेशे की जिम्मेदारियों की व्यवस्था साफ हो तो कमाई सँभालना आसान है।

खर्च और अनपेक्षित माँग, उम्र 88: साझा समझौतों के खर्च में उपयोगी दायित्व और आसानी से छूट जाने वाले भुगतान साथ हो सकते हैं।

घर और संपत्ति, उम्र 68-69: साझा आर्थिक दायित्वों से जुड़े घरेलू दायित्व में अधिक तैयारी, सहयोग और व्यावहारिक जाँच का समय चाहिए हो सकता है।

मूल जाँच से इस उम्र के अन्य समय-संकेत: धन का आधार बनाने वाले सबसे अच्छे दौर: सूर्य-बुध, 16 अप्रै 2076 – 17 अक्टू 2076, उम्र 85-86; पैसे के मामले में अधिक सावधानी वाले दौर: शुक्र-गुरु, 29 अग 2062 – 29 अप्रै 2065, उम्र 72-74; घर और संपत्ति के समय-संकेत: शुक्र-मंगल, 29 जून 2058 – 04 मार्च 2059, उम्र 68।

धन योग और उनकी शर्तें

इस खास जाँच में दूसरे या ग्यारहवें स्वामी की कठिन भाव वाली शर्त नहीं बनती। यह एक उपयोगी जाँच है, हर धन-निर्णय आसान होने का प्रमाण नहीं।

धन सँभालने का आपका तरीका • आपके लिए उपयोगी आदतें

धन के मामले में आपकी ताकत कौशल और दिखने वाले परिणाम से कमाना है। उपयोगी काम पूरा करना आपका सहारा है; समय और सहयोग साफ होने से पहले बड़ी भूमिका लेना चुनौती हो सकता है।

1. पूरे किए दो काम के उदाहरण रखें जो आपके मुख्य कौशल का उपयोग दिखाएँ।
2. बड़ी जिम्मेदारी लेने से पहले उसका दायरा और मिलने वाला सहयोग तय करें।
3. व्यस्त महीने के बाद देखें कि अतिरिक्त मेहनत से आपके पास सच में क्या बचा।

ये परंपरागत समय और आदतों के संकेत हैं, वित्तीय या निवेश सलाह नहीं। फैसलों के लिए योग्य वित्तीय सलाहकार से बात करें।

अध्याय 2

काम और करियर

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36-38): आपके काम को अधिक स्पष्ट पहचान मिल सकती है, यदि कई अस्पष्ट कामों के बजाय एक तय परिणाम की जिम्मेदारी लें। इसका आधार है कि आपके करियर क्षेत्र का स्वामी शुक्र, आगे की पढ़ाई से जुड़ा है और उसमें रुकावट से अधिक सहयोग देने वाले संकेत हैं। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: एक पूरा किया हुआ काम सामने रखें और अगले परिणाम के लिए जरूरी अधिकार तय करें।

पूरा विश्लेषण: करियर और काम

संकेत का बल: हल्का

छोटी दशा ✓ • गुरु – • शनि – • राशि बल –

अध्याय 3

साझेदारी और बातचीत

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36-38): दोनों की नीयत अच्छी होने पर भी नजदीकी और रोज की जिम्मेदारियाँ अलग दिशाओं में खींच सकती हैं। इसका आधार है कि आपके साझेदारी क्षेत्र का स्वामी शनि, रोजमर्रा के काम से जुड़ा है और उसमें जन्म से मजबूत आधार है।

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: बड़ा बदलाव माँगने से पहले बार-बार के मतभेद के पीछे का समय या खर्च

स्पष्ट करें।

पूरा विश्लेषण: प्रेम और रिश्ते

संकेत का बल: सीमित सहयोग

छोटी दशा - • गुरु - • शनि - • राशि बल -

अध्याय 4

धन और बचत

29 जून 2028 - 17 अक्टू 2028 (उम्र 38): आमदनी और बचत को ऐसे भरोसेमंद स्रोत से बढ़ाने का अवसर मिल सकता है, जिसका काम आप स्पष्ट समझते हों। इसका आधार है कि आपके बचत क्षेत्र का स्वामी बुध, पेशे की जिम्मेदारियों से जुड़ा है और उसमें रुकावट से अधिक सहयोग देने वाले संकेत हैं। 29 जून 2028 - 17 अक्टू 2028 के लिए आपका अगला कदम: मिली हुई रकम का कुछ हिस्सा नई जिम्मेदारी लेने से पहले आसानी से उपलब्ध बचत में रखें।

पूरा विश्लेषण: धन और संपत्ति

संकेत का बल: हल्का

छोटी दशा ✓ • गुरु - • शनि - • राशि बल -

अध्याय 5

पढ़ाई और सीखना

17 अक्टू 2026 - 29 जून 2028 (उम्र 36-38): समझ बेहतर हो सकती है, जबकि आत्मविश्वास या पढ़ाई की स्पष्ट दिशा बनने में समय लग सकता है। इसका आधार है कि आपके पढ़ाई और रचना क्षेत्र का स्वामी गुरु, मित्रों और संपर्कों से जुड़ा है और उसमें सहयोग के साथ अतिरिक्त माँगें हैं। 17 अक्टू 2026 - 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: बड़ी पढ़ाई का निर्णय लेने से पहले छोटा पाठ्यक्रम या एक अभ्यास प्रश्नपत्र आजमाएँ।

पूरा विश्लेषण: पढ़ाई और सीखना

संकेत का बल: हल्का

छोटी दशा ✓ • गुरु - • शनि - • राशि बल -

यात्रा और स्थान परिवर्तन

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36–38): साझा जिम्मेदारियों, कागजात या छूट जाने वाले खर्च से यात्रा जटिल हो सकती है। इसका आधार है कि आपके मार्गदर्शन क्षेत्र का स्वामी मंगल, अचानक बदलाव से जुड़ा है और उसमें जन्म स्थिति में अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ हैं। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: बदल न सकने वाली बुकिंग के भुगतान से पहले जरूरी मंजूरी या घर की जिम्मेदारी सुलझाएँ।

पूरा विश्लेषण: यात्रा और स्थान परिवर्तन

संकेत का बल: सीमित सहयोग

छोटी दशा – • गुरु – • शनि – • राशि बल –

परिवार और घर

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36–38): परिवार की जिम्मेदारी या घर का अचानक बदलाव चलती योजनाओं से ध्यान खींच सकता है। इसका आधार है कि आपके घर क्षेत्र का स्वामी मंगल, अचानक बदलाव से जुड़ा है और उसमें जन्म स्थिति में अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ हैं। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: सबसे भारी काम में व्यावहारिक मदद माँगें और अकेले उठाई जा सकने वाली जिम्मेदारी की सीमा रखें।

पूरा विश्लेषण: आपके परिवार का फलादेश

संकेत का बल: हल्का

छोटी दशा – • गुरु ✓ • शनि – • राशि बल –

रोजमर्रा की देखभाल

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36–38): सप्ताह में मेहनत और आराम का तय स्थान होने पर नियमित गति आपके रोज के स्वास्थ्य-संतुलन में सहायक हो सकती है। इसका आधार है कि आपके निजी गति क्षेत्र का स्वामी सूर्य, मित्रों और संपर्कों से जुड़ा है और उसमें रुकावट से अधिक सहयोग देने वाले संकेत हैं। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: एक निभाने योग्य दिनचर्या रखें और उसे दोहराने के लिए जरूरी आराम का समय सुरक्षित करें।

पूरा विश्लेषण: संतुलन और दिनचर्या

संकेत का बल: सीमित सहयोग

छोटी दशा – • गुरु – • शनि – • राशि बल –

व्यापार और ग्राहक

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36–38): माँग बढ़ सकती है, जबकि भुगतान, कर्मचारियों या काम कराने के अधिकार पर अधिक स्पष्ट सहमति जरूरी रह सकती है। इसका आधार है कि आपके साझेदारी क्षेत्र का स्वामी शनि, रोजमर्रा के काम से जुड़ा है और उसमें जन्म से मजबूत आधार है। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: वादे का दायरा बढ़ाने से पहले अनुबंध की एक कमजोर शर्त स्पष्ट करें।

पूरा विश्लेषण: व्यवसाय और साझेदारी

संकेत का बल: हल्का

छोटी दशा ✓ • गुरु – • शनि – • राशि बल –

घर और संपत्ति की योजना

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36–38): मालिकाना जिम्मेदारी, मरम्मत या साझा आर्थिक दायित्व से संपत्ति का बोझ बताई कीमत से अधिक हो सकता है। इसका आधार है कि आपके घर क्षेत्र का स्वामी मंगल, अचानक बदलाव से जुड़ा है और उसमें जन्म स्थिति में अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ हैं। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: किसी तारीख को वादा करने का कारण मानने से पहले कागजात और हालत की स्वतंत्र जाँच कराएँ।

पूरा विश्लेषण: घर और संपत्ति

संकेत का बल: हल्का

छोटी दशा – • गुरु ✓ • शनि – • राशि बल –

चिंतन और व्यक्तिगत अभ्यास

17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36–38): परस्पर विरोधी सलाह या भारी जिम्मेदारी से अपना चुना अभ्यास बनाए रखना कठिन हो सकता है। इसका आधार है कि आपके मार्गदर्शन क्षेत्र का स्वामी मंगल, अचानक बदलाव से जुड़ा है और उसमें जन्म स्थिति में अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ हैं। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 के लिए आपका अगला कदम: अभ्यास को स्वैच्छिक और वहनीय रूप में छोटा करें तथा दबाव में वादा करने से बचें।

पूरा विश्लेषण: आपका आध्यात्मिक अभ्यास

संकेत का बल: सीमित सहयोग

छोटी दशा - गुरु - शनि - राशि बल -

अध्याय 12

रत्न का संक्षिप्त सार

धारण का विवरण आपकी रत्न पुस्तक में

अध्याय 14

सभी पुस्तकों में आपके मुख्य दौर

किसी ग्रह की कई भाव-जिम्मेदारी होने से कुछ पुस्तकों में गुरु का बड़ा दौर साझा हो सकता है। हर तारीख के पास निजी विषय का कारण उस पुस्तक में मिलने वाला सहयोग बताता है। साझा तारीख को संबंधित भाव, स्वामी और वर्ग के अनुसार पढ़ें; हर जीवन क्षेत्र में उसका उपयोग अलग है।

अध्याय 15

आपका मौजूदा दौर

12 सित 2026 - 21 जन 2027 (उम्र 36): बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों आपके फैसलों में प्रमुख रह सकता है। वृषभ में इसकी स्थिति इस छोटे चरण को उस क्षेत्र की आपकी जिम्मेदारियों से जोड़ती है।

चुनौतियाँ और उन्हें संभालने के तरीके

17 अक्टू 2026 को आपकी पहली प्राथमिकता निभाई जा सकने वाली गति है; संबंधित अंतराल 16 दिस 2025 - 29 जून 2028 है। इसका स्वामी शनि, रोज के दायित्वों से जुड़ा है, इसलिए दूर के विषय से पहले इस पर ध्यान देना उपयोगी रहेगा।

1. निभाई जा सकने वाली गति

अभी प्रासंगिक: शनि-गुरु, उम्र 35-38 (16 दिस 2025 - 29 जून 2028)।

16 दिस 2025 - 29 जून 2028 (उम्र 35-38): रोज के दायित्वों की छोटी माँगें जुड़कर भारी हो सकती हैं, भले कोई एक काम बड़ा न लगे। इस जोर का आधार रोज के दायित्वों से जुड़ी आपके शनि की जन्म स्थिति है।

रोजमर्रा 16 दिस 2025 - 29 जून 2028 के लिए एक सामान्य दिन की रुकावटें लिखें और सबसे अधिक दोहराने वाली को घटाएँ या बाँटें। यह रोज के दायित्वों से जुड़े आपके शनि के संकेत के अनुसार है।

वैदिक सहयोग: शनि - शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ। ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः। दान/सेवा: अपनी सामर्थ्य में और लेने वाले की सहमति से शनिवार को मदद स्वीकार करने वाले श्रमिकों और बुजुर्गों को काले तिल, सरसों का तेल या साफ कंबल दें। सेवा का विकल्प: बुजुर्ग की पसंद के काम में मदद करें। रत्न: नियमित पहनने की सलाह नहीं।

आधार: भाव 6: शनि → मकर, भाव 6; D1 भाव 6; अपनी राशि; सम या अपना राशि स्वामी; वक्री: दोबारा देखने की गुंजाइश; शनि-गुरु, 16 दिस 2025 - 29 जून 2028, उम्र 35-38। संकेत पर भरोसा: सहयोग और प्रयास दोनों।

2. टिकने वाली सीख

अभी प्रासंगिक: शनि-गुरु, उम्र 35-38 (16 दिस 2025 - 29 जून 2028)।

16 दिस 2025 - 29 जून 2028 (उम्र 35-38): मित्रता और संपर्कों से जुड़े चुनाव में विषय समझते हुए भी अगला कदम अस्पष्ट लग सकता है। अधिक जानकारी तभी मदद करती है जब वह रुकावट बने प्रश्न का उत्तर दे। इस जोर का आधार मित्रता और संपर्कों से जुड़ी आपके गुरु की जन्म स्थिति है।

रोजमर्रा 16 दिस 2025 - 29 जून 2028 के लिए अपना प्रश्न लिखें और अगले अध्ययन में उपयोगी उत्तर मिल जाए तो वहीं रुकें। यह मित्रता और संपर्कों से जुड़े आपके गुरु के संकेत के अनुसार है।

वैदिक सहयोग: गुरु · मिश्रित स्वामित्व · पहले विशेषज्ञ से जाँच। ॐ ग्रां ग्रीं ग्रीं सः गुरवे नमः। दान/सेवा: अपनी सामर्थ्य में और लेने वाले की सहमति से गुरुवार को सहयोग चाहने वाले शिक्षकों या विद्यार्थियों को पीली दाल या पुस्तकें दें। सेवा का विकल्प: बदले की अपेक्षा बिना धैर्य से कुछ सिखाएँ। रत्न: पहले विशेषज्ञ जाँच; नियमित पहनना नहीं।

आधार: भाव 5: गुरु → मिथुन, भाव 11; D24 भाव 3; अन्य राशि; शत्रु राशि स्वामी; शनि-गुरु, 16 दिस 2025 - 29 जून 2028, उम्र 35-38।

संकेत पर भरोसा: सहयोग और प्रयास दोनों

3. साझेदारी और साझा मूल्य

अभी प्रासंगिक: शनि-गुरु, उम्र 35-38 (16 दिस 2025 - 29 जून 2028)।

16 दिस 2025 - 29 जून 2028 (उम्र 35-38): स्नेह होते हुए भी अलग अपेक्षा रोज के दायित्वों की सामान्य जिम्मेदारी को तनाव बना सकती है। इस जोर का आधार रोज के दायित्वों से जुड़ी आपके शनि की जन्म स्थिति है।

रोजमर्रा 16 दिस 2025 - 29 जून 2028 के लिए शांत समय में पूछें कि एक नियमित जिम्मेदारी से दोनों की क्या अपेक्षा है। यह रोज के दायित्वों से जुड़े आपके शनि के संकेत के अनुसार है।

वैदिक सहयोग: शनि · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ। ॐ प्रां प्रीं प्रीं सः शनैश्चराय नमः। दान/सेवा: अपनी सामर्थ्य में और लेने वाले की सहमति से शनिवार को मदद स्वीकार करने वाले श्रमिकों और बुजुर्गों को काले तिल, सरसों का तेल या साफ कंबल दें। सेवा का विकल्प: बुजुर्ग की पसंद के काम में मदद करें। रत्न: नियमित पहनने की सलाह नहीं।

आधार: भाव 7: शनि → मकर, भाव 9; D9 भाव 9; अपनी राशि; सम या अपना राशि स्वामी; वक्त्री: दोबारा देखने की गुंजाइश; शनि-गुरु, 16 दिस 2025 - 29 जून 2028, उम्र 35-38।

संकेत पर भरोसा: सहयोग और प्रयास दोनों

4. साधन और साझा जिम्मेदारियाँ

अगला संबंधित दौर: बुध-बुध, उम्र 38-40 (29 जून 2028 - 25 नव 2030)।

29 जून 2028 - 25 नव 2030 (उम्र 38-40): पेशे की जिम्मेदारियों में आय या बचत को अच्छा सहयोग है; चुनौती यह कि सफलता नई चिंताओं के बजाय सहजता बढ़ाए। इस जोर का आधार पेशे की जिम्मेदारियों से जुड़ी आपके बुध की जन्म स्थिति है।

रोजमर्रा 29 जून 2028 - 25 नव 2030 के लिए हाल की एक अच्छी प्राप्ति देखें और लिखें कि उससे कौन-सी जारी जरूरत सच में पूरी होती है। यह पेशे की जिम्मेदारियों से जुड़े आपके बुध के संकेत के अनुसार है।

वैदिक सहयोग: बुध · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ। ॐ ब्रां ब्रीं ब्रीं सः बुधाय नमः। दान/सेवा: अपनी सामर्थ्य में और लेने वाले की सहमति से बुधवार को साधन चाहने वाले विद्यार्थियों को हरी मूँग या पढ़ाई की सामग्री दें। सेवा का विकल्प: सीखने वाले की सहमति से कौशल सिखाएँ। रत्न: नियमित पहनने की सलाह नहीं।

आधार: भाव 2: बुध → वृषभ, भाव 10; D2 भाव 12; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; बुध-बुध, 29 जून 2028 - 25 नव 2030, उम्र 38-40।

संकेत पर भरोसा: सहयोग अधिक

5. परिवार का सहयोग और संपर्क

अगला संबंधित दौर: बुध-बुध, उम्र 38-40 (29 जून 2028 – 25 नव 2030)।

29 जून 2028 – 25 नव 2030 (उम्र 38-40): पेशे की जिम्मेदारियों में उपयोगी संपर्क रास्ता खोल सकते हैं; चुनौती बातचीत को साफ और दोनों के लिए उपयोगी रखना है। इस जोर का आधार पेशे की जिम्मेदारियों से जुड़ी आपके बुध की जन्म स्थिति है।

रोजमर्रा 29 जून 2028 – 25 नव 2030 के लिए एक व्यक्ति को साफ जानकारी और ऐसा व्यावहारिक प्रश्न भेजें जिसका वह उत्तर दे सके। यह पेशे की जिम्मेदारियों से जुड़े आपके बुध के संकेत के अनुसार है।

वैदिक सहयोग: बुध · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ। ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः। दान/सेवा: अपनी सामर्थ्य में और लेने वाले की सहमति से बुधवार को साधन चाहने वाले विद्यार्थियों को हरी मूँग या पढ़ाई की सामग्री दें। सेवा का विकल्प: सीखने वाले की सहमति से कौशल सिखाएँ। रत्न: नियमित पहनने की सलाह नहीं।

आधार: भाव 11: बुध → वृषभ, भाव 10; D7 भाव 5; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; बुध-बुध, 29 जून 2028 – 25 नव 2030, उम्र 38-40।

संकेत पर भरोसा: सहयोग अधिक

6. घर का भरोसेमंद आधार

बाद का दौर जिसके लिए तैयारी की जा सकती है: बुध-मंगल, उम्र 46-47 (28 दिस 2036 – 25 दिस 2037)।

28 दिस 2036 – 25 दिस 2037 (उम्र 46-47): अचानक आए दायित्वों के घरेलू विषय पहले से व्यस्त ध्यान को और खींच सकते हैं। इस जोर का आधार अचानक आए दायित्वों से जुड़ी आपके मंगल की जन्म स्थिति है।

रोजमर्रा 28 दिस 2036 – 25 दिस 2037 के लिए तय करें कि घर का कौन-सा काम सच में तुरंत का है और एक व्यावहारिक हिस्सा दूसरे को सँभालने दें। यह अचानक आए दायित्वों से जुड़े आपके मंगल के संकेत के अनुसार है।

वैदिक सहयोग: मंगल · कार्यात्मक शुभ ग्रह को सहयोग दें। ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः। दान/सेवा: अपनी सामर्थ्य में और लेने वाले की सहमति से मंगलवार को सामुदायिक रसोई को मसूर दाल दें। सेवा का विकल्प: मदद चाहने वाले के लिए सुरक्षित व्यावहारिक काम करें। रत्न: स्वैच्छिक विकल्प · अनुकूलता की जाँच जरूरी।

आधार: भाव 4: मंगल → मीन, भाव 8; D4 भाव 2; अन्य राशि; मित्र राशि स्वामी; बुध-मंगल, 28 दिस 2036 – 25 दिस 2037, उम्र 46-47।

संकेत पर भरोसा: सावधानी और सहयोग अधिक जरूरी

7. काम और जिम्मेदारी

बाद का दौर जिसके लिए तैयारी की जा सकती है: बुध-शुक्र, उम्र 41-44 (22 नव 2031 – 22 सित 2034)।

22 नव 2031 – 22 सित 2034 (उम्र 41-44): पढ़ाई और मार्गदर्शन में काम की मजबूत स्थिति अधिक जिम्मेदारी ला सकती है; चुनौती यह साफ करना है कि किस परिणाम की जिम्मेदारी सच में आपकी है। इस जोर का आधार पढ़ाई और मार्गदर्शन से जुड़ी आपके शुक्र की जन्म स्थिति है।

रोजमर्रा 22 नव 2031 – 22 सित 2034 के लिए जरूरी परिणाम के लिए एक समय-खंड रखें और नया काम आए तो साफ तय करें कि उसकी जगह कौन-सा पुराना काम रुकेगा। यह पढ़ाई और मार्गदर्शन से जुड़े आपके शुक्र के संकेत के अनुसार है।

वैदिक सहयोग: शुक्र · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ। ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः। दान/सेवा: अपनी सामर्थ्य में और लेने वाले की सहमति से शुक्रवार को रोज की जरूरी वस्तु चाहने वाले लोगों को साफ वस्त्र या सामर्थ्य का भोजन दें। सेवा का विकल्प: साझा जगह सँभालें या सहज रचनात्मक काम में सहयोग दें। रत्न: नियमित पहनने की सलाह नहीं।

आधार: भाव 10: शुक्र → मेष, भाव 9; D10 भाव 4; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; बुध-शुक्र, 22 नव 2031 – 22 सित 2034, उम्र 41-44।

संकेत पर भरोसा: सहयोग अधिक

8. हर बार प्रमाण दिए बिना आत्मविश्वास

बाद का दौर जिसके लिए तैयारी की जा सकती है: बुध-सूर्य, उम्र 44-45 (22 सित 2034 – 30 जुल 2035)।

22 सित 2034 – 30 जुल 2035 (उम्र 44-45): मित्रता और संपर्कों में व्यक्तित्व की मजबूत स्थिति पहल में मदद करती है; चुनौती प्रतिक्रिया सुनते हुए अपना विवेक बनाए रखना है। इस जोर का आधार मित्रता और संपर्कों से जुड़ी आपके सूर्य की जन्म स्थिति है।

रोजमर्रा 22 सित 2034 – 30 जुल 2035 के लिए अपने पूरे प्रदर्शन पर फैसला पूछने के बजाय पूरे काम में एक खास सुधार पूछें। यह मित्रता और संपर्कों से जुड़े आपके सूर्य के संकेत के अनुसार है।

वैदिक सहयोग: सूर्य · कार्यात्मक शुभ ग्रह को सहयोग दें। ॐ ह्रां ह्रीं सः सूर्याय नमः। दान/सेवा: अपनी सामर्थ्य में और लेने वाले की सहमति से रविवार को भोजन की जरूरत वाले लोगों को गेहूँ या सादा भोजन दें। सेवा का विकल्प: भोजन बनाने और बाँटने में मदद करें। रत्न: स्वैच्छिक विकल्प · अनुकूलता की जाँच जरूरी

आधार: भाव 1: सूर्य → मिथुन, भाव 11; D1 भाव 11; अन्य राशि; सम या अपना राशि स्वामी; बुध-सूर्य, 22 सित 2034 – 30 जुल 2035, उम्र 44-45।

संकेत पर भरोसा: सहयोग अधिक

जीवन के दौरों के अनुसार आपके उपाय

16 दिस 2025 – 29 जून 2028 (उम्र 35-38): शनि को शांत करने का अभ्यास चुनें; तत्काल ध्यान गुरु की अवधि तय करती है। शनि की जन्म स्थिति इस दौर को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है और उसका भाव-स्वामित्व धैर्य तथा सेवा की ओर संकेत करता है; उभरी पंक्ति का छोटा अभ्यास चुनें और बल बढ़ाने वाला रत्न सामान्य योजना में न जोड़ें।

रंग वाली पंक्ति आपका वर्तमान दौर है। महादशा मुख्य अभ्यास बताती है; अंतर्दशाओं की सूची से जोर बदलने का क्रम दिखता है। मौजूदा पूरे मेल का विवरण 'अभी के उपाय' में है।

उपाय की साथी पुस्तक में हर अंतर्दशा का चक्र, उच्चारण, दान और सेवा का पूरा विवरण है। ये वैकल्पिक सहायक अभ्यास हैं; रत्न के लिए उपयुक्तता की अलग जाँच जरूरी है।

उपयुक्त रत्न का विवरण · खरीद से पहले सलाह

अभी आपके लिए उपाय

ये स्वैच्छिक सहायक अभ्यास हैं, गारंटी नहीं। ऐसा छोटा अभ्यास चुनें जिसे निभा सकें। AstroHelpDesk से खरीद या उसे दान देना जरूरी नहीं है।

शनि · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ

रोजमर्रा

एक छोटा कर्तव्य स्थिर गति से करें और आराम की वास्तविक गुंजाइश रखें।

वैदिक परंपरा

गुरु · मिश्रित स्वामित्व · पहले विशेषज्ञ से जाँच

रोजमर्रा

अच्छा सवाल पूछें, सलाह का कारण परखें और उपयोगी ज्ञान बाँटें।

वैदिक परंपरा

सामान्य स्वैच्छिक अभ्यास के लिए परंपरागत नवग्रह स्तोत्र चुन सकते हैं। अपनी परंपरा में सिखाया पाठ अपनाएँ; निश्चित फल का वादा न जोड़ें।

खरीदने से पहले ज्योतिषी से सलाह लें; स्वीकृति मिलने पर तीन दिन आजमाएँ और अस्वस्थ लगने या स्थिति बिगड़ने पर रोक दें। आकार से अधिक किफ़ायती गुणवत्ता और आराम चुनें; केवल शरीर के वजन से प्रभावी कैरेट तय नहीं होते। रत्न वैकल्पिक हैं और AstroHelpDesk रत्न नहीं बेचता।

स्वास्थ्य, कानूनी या धन संबंधी फैसलों के लिए संबंधित योग्य पेशेवर से सलाह लें। मंत्र, दान या रत्न उस सलाह का विकल्प नहीं हैं।

आपके लिए प्रार्थना की एक परंपरा

आपकी कुंडली में सूर्य के माध्यम से शिव / राम स्वैच्छिक प्रार्थना के पारंपरिक केंद्र हैं। अपने विश्वासों के अनुरूप सहज अभ्यास चुनें।

यदि परिवार में कुलदेवता की परंपरा है तो बड़ों द्वारा पूजे जाने वाले कुलदेवता को पहले मानें। अपनी परंपरा में कुछ शांत मिनट प्रार्थना या मनन भी रख सकते हैं।

सरल दैनिक अभ्यास: सुबह की सामान्य दिनचर्या के बाद शांत बैठें, अपनी परंपरा के अनुकूल हो तो शिव / राम का स्मरण करें और दिन के लिए एक सद्भावपूर्ण काम चुनें।

धर्म देवता की जाँच में चंद्र से कृष्ण / पार्वती का संबंध जीवन के उद्देश्य से जुड़ा है। अलग जन्म-कुंडली तुलना में मंगल से हनुमान / कार्तिकेय / नरसिंह का संकेत मिलता है।

ज्योतिषी दृष्टि • गणना के चरण

सात शास्त्रीय ग्रहों के राशि-अंतर्गत अंशों की तुलना; प्रार्थना स्थान में मौजूद सभी ग्रह शामिल।

अध्याय 16

जीवन के दौर • महादशा की पूरी तारीखें

अध्याय 17

साढ़ेसाती और शनि ढैया

29 मार्च 2025 – 03 जून 2027 (उम्र 34–36): नई जिम्मेदारी जोड़ने से पहले बचत, परिवार के योगदान और संभलकर बोलने पर अधिक ध्यान देना उपयोगी रहेगा। शनि आपके कुंभ राशि के चंद्र से 2वें स्थान पर है, जबकि जन्म स्थिति आपकी प्रतिक्रिया को रोजमर्रा के काम से जोड़ती है; इस अंतराल में एक भारी जिम्मेदारी बाँटें और सप्ताह की निभाई जा सकने वाली सीमा रखें।

अध्याय 25

मौजूदा महादशा • सभी अंतर्दशाएँ

अध्याय 18

आपके ग्रहों की आधार-सारणी

अध्याय 20

अध्याय 19

बारहों भाव • आपका पूरा आधार

आपके योगों के परिणाम

रुचक: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

भद्र: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

हंस: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

मालव्य: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

शश: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

गजकेसरी: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

बुधादित्य: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

चंद्र-मंगल: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

सुनफा: आपकी कुंडली में है। 17 अक्टू 2026 को जन्मकुंडली का यह योग इस विषय की ओर संकेत करता है: आमदनी और बचत को ऐसे भरोसेमंद स्रोत से बढ़ने का अवसर मिल सकता है, जिसका काम आप स्पष्ट समझते हों। इसके ग्रह चंद्र, मंगल, 17 अक्टू 2028 से पहले महादशा या अंतर्दशा के स्वामी नहीं हैं; इसलिए यह तुरंत घटना का अनुमान नहीं, पृष्ठभूमि का संकेत है। मिली हुई रकम का कुछ हिस्सा नई जिम्मेदारी लेने से पहले आसानी से उपलब्ध बचत में रखें।

अनफा: आपकी कुंडली में है। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36-38) में आमदनी और बचत को ऐसे भरोसेमंद स्रोत से बढ़ने का अवसर मिल सकता है, जिसका काम आप स्पष्ट समझते हों। इसका कारण आपकी जन्मकुंडली में चंद्र, शनि का दर्ज संबंध है; इस अंतराल में मिली हुई रकम का कुछ हिस्सा नई जिम्मेदारी लेने से पहले आसानी से उपलब्ध बचत में रखें।

दुरुधरा: आपकी कुंडली में है। 17 अक्टू 2026 – 29 जून 2028 (उम्र 36-38) में आमदनी और बचत को ऐसे भरोसेमंद स्रोत से बढ़ने का अवसर मिल सकता है, जिसका काम आप स्पष्ट समझते हों। इसका कारण आपकी जन्मकुंडली में चंद्र, मंगल, शनि का दर्ज संबंध है; इस अंतराल में मिली हुई रकम का कुछ हिस्सा नई जिम्मेदारी लेने से पहले आसानी से उपलब्ध बचत में रखें।

वेशी: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

वाशी: आपकी कुंडली में है। 29 जून 2028 - 17 अक्टू 2028 (उम्र 38) में आपके काम को अधिक स्पष्ट पहचान मिल सकती है, यदि कई अस्पष्ट कामों के बजाय एक तय परिणाम की जिम्मेदारी लें। इसका कारण आपकी जन्मकुंडली में सूर्य, बुध का दर्ज संबंध है; इस अंतराल में एक पूरा किया हुआ काम सामने रखें और अगले परिणाम के लिए जरूरी अधिकार तय करें।

उभयचारी: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

राशि स्वामियों का परिवर्तन: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

धर्म और कर्म: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

केंद्र और त्रिकोण के स्वामी: आपकी कुंडली में है। 17 अक्टू 2026 - 29 जून 2028 (उम्र 36-38) में आपके काम को अधिक स्पष्ट पहचान मिल सकती है, यदि कई अस्पष्ट कामों के बजाय एक तय परिणाम की जिम्मेदारी लें। इसका कारण आपकी जन्मकुंडली में गुरु, मंगल, सूर्य का दर्ज संबंध है; इस अंतराल में एक पूरा किया हुआ काम सामने रखें और अगले परिणाम के लिए जरूरी अधिकार तय करें।

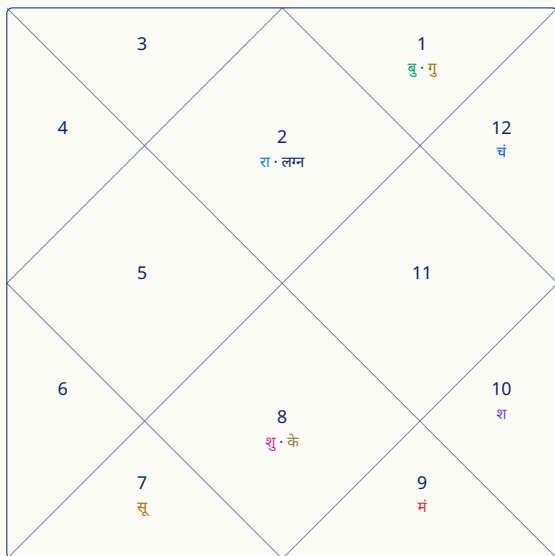
धन योग: आपकी कुंडली में नहीं है। इस योग के लिए कोई अभ्यास जरूरी नहीं है।

गणना की सारणी खोलें

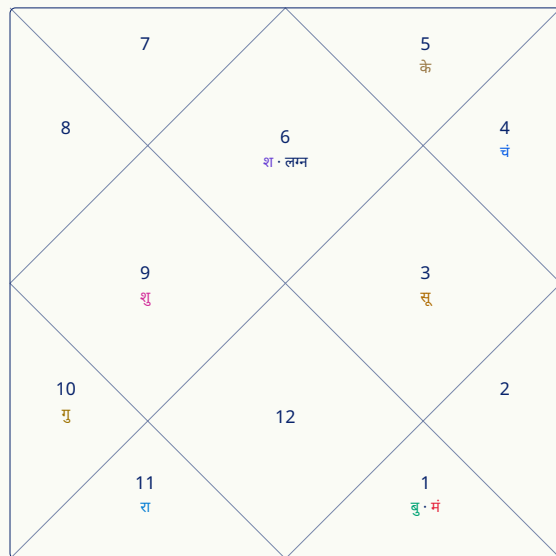
योग	है	ग्रह
रुचक	नहीं	मंगल
भद्र	नहीं	बुध
हंस	नहीं	गुरु
मालव्य	नहीं	शुक्र
शश	नहीं	शनि
गजकेसरी	नहीं	चंद्र, गुरु
बुधादित्य	नहीं	सूर्य, बुध
चंद्र-मंगल	नहीं	चंद्र, मंगल
सुनफा	हाँ	चंद्र, मंगल
अनफा	हाँ	चंद्र, शनि
दुरुधरा	हाँ	चंद्र, मंगल, शनि
वेशी	नहीं	सूर्य, बुध
वाशी	हाँ	सूर्य, बुध
उभयचारी	नहीं	सूर्य, बुध
राशि स्वामियों का परिवर्तन	नहीं	
धर्म और कर्म	नहीं	
केंद्र और त्रिकोण के स्वामी	हाँ	गुरु, मंगल, सूर्य
धन योग	नहीं	

अठारह महीने के धीमे गोचर बदलाव

D9



D10



मांगलिक / मंगल दोष

मंगल दोष: आपकी कुंडली में है। साझा जिम्मेदारियों में शांत प्रतिक्रिया और स्पष्ट सहमति की अधिक जरूरत रह सकती है।

17 अक्टू 2026 से 17 अक्टू 2028 तक मंगल महादशा या अंतर्दशा के स्वामी नहीं हैं। जन्म का यह संकेत पृष्ठभूमि में है; इससे तुरंत कोई घटना होने की अपेक्षा न करें। इस मंगल प्रभाव के लिए मंगलवार को स्वेच्छा से हनुमान पाठ चुनें, तीखे उत्तर से पहले रुकने का अभ्यास करें और एक साझा जिम्मेदारी लिखकर तय करें।

कालसर्प दोष

कालसर्प दोष: आपकी कुंडली में नहीं है। कालसर्प का उपाय जरूरी नहीं है।

परिवार की जड़ें (पितृ दोष)

उपलब्ध कुंडली विवरण में यह चिंता नहीं दिखी।

परिवार से जुड़े रहें। किसी बुजुर्ग का आभार मानें और उनकी व्यावहारिक मदद करें।

भाव चलित - श्रीपति संदर्भ

राशि-भाव और श्रीपति भाव साथ देखें। ग्रहों की राशियाँ और दशा की गणना समान रहती हैं।

लग्न, चतुर्थ मध्य, अस्तलग्न और दशम मध्य के बीच चाप के तीन भाग किए गए हैं। ये भाव-मध्य हैं और बीच के मध्यबिंदु सीमाएँ हैं। पोर्टल का राशि-भाव फलादेश अपने आप नहीं बदला गया है।

भाव की सीमाएँ और मध्य

भाव	सीमा	मध्य	अंत
1	109.0819°	124.3789°	139.0819°
2	139.0819°	153.7850°	168.4881°
3	168.4881°	183.1911°	197.8942°
4	197.8942°	212.5973°	227.8942°
5	227.8942°	243.1911°	258.4881°
6	258.4881°	273.7850°	289.0819°
7	289.0819°	304.3789°	319.0819°
8	319.0819°	333.7850°	348.4881°
9	348.4881°	3.1911°	17.8942°
10	17.8942°	32.5973°	47.8942°
11	47.8942°	63.1911°	78.4881°
12	78.4881°	93.7850°	109.0819°

योगिनी • ग्रहों की दूसरी दशा

छत्तीस वर्ष का यह चक्र जन्म चंद्र के नक्षत्र से शुरू होता है। इसके मौजूदा स्तर मुख्य विंशोत्तरी दशा के साथ पढ़ें; यह समय समझने का दूसरा परंपरागत संदर्भ है।

लंबा योगिनी क्रम

प्रत्यंतर • मौजूदा और अगली दो अंतर्दशाएँ

हर बॉक्स में दी अंतर्दशा की सभी छोटी दशाएँ हैं। इस संस्करण की संदर्भ तारीख पर चल रही दशा सुनहरी है।

गुरु

16 दिस 2025 – 29 जून 2028

बुध

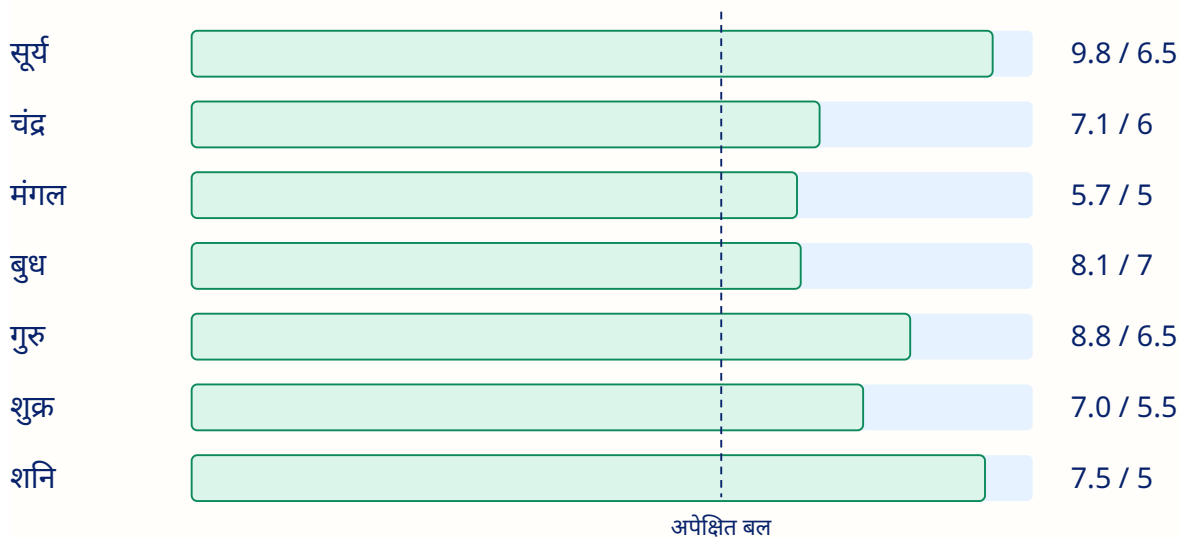
29 जून 2028 – 25 नव 2030

केतु

25 नव 2030 – 22 नव 2031

आपकी कुंडली के चित्र

षड्बल · ग्रह के अपेक्षित बल से तुलना



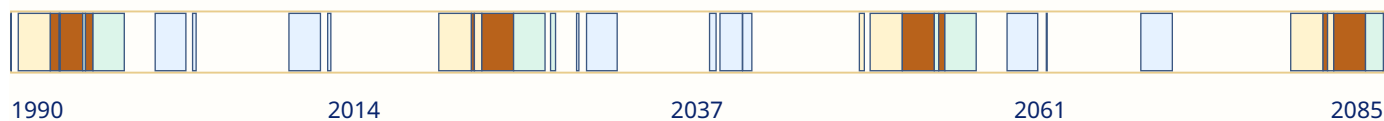
संख्या कुल / अपेक्षित रूप बताती है। बिंदीदार रेखा ग्रह का अपना अपेक्षित बल है।

सर्वाष्टकवर्ग · बारह राशियाँ

मेष 35	वृषभ 27	मिथुन 25	कर्क 24	सिंह 24	कन्या 28
तुला 28	वृश्चिक 29	धनु 28	मकर 34	कुंभ 23	मीन 32

राशि के बिंदु योग; रंग वाले खानों में 28 या अधिक हैं।

जीवनकाल की साढ़े साती और ढैया



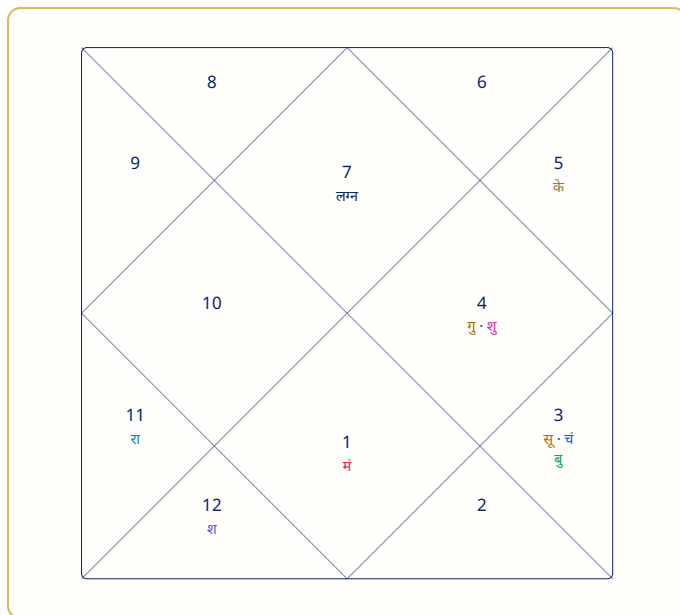
चढ़ती साढ़े साती · मध्य साढ़े साती · उतरती साढ़े साती · चौथे भाव की ढैया · आठवें भाव की ढैया

प्रमाण सूची · हर तथ्य एक बार

आपका मौजूदा सौर-वापसी वर्ष

15 जून 2026 – 15 जून 2027

सूर्य की ठीक निरयन वापसी पर वार्षिक कुंडली जन्म स्थान के लिए बनी है। नीचे की कुंडली और मुंथा चुने वर्षफल का आधार हैं। पूरे ताजिक निर्णय में इस आधार के अलावा अन्य विधियाँ भी चाहिए।



केपी • जन्म भावसंधि और कारक

अयनांश: 23° 38' 01"

बारह भावसंधि

ग्रहों के नक्षत्र और उपस्वामी

भाव कारकता के चार स्तर

अध्याय 13

अगले प्रश्न के लिए साथी पुस्तक चुनें

आठ साथी पुस्तकों से जीवन-कहानी पढ़ने के बाद किसी एक प्रश्न पर लौट सकते हैं। अतीत और वर्तमान में उम्र और पूरी दशाओं की समयरेखा है; कुंडली को अनुभव से मिलाने के लिए वहीं शुरू करें। पढ़ाई और सीखना अध्ययन की आदत, विषय और संबंधित दौर खोलती है। यात्रा और स्थान परिवर्तन में दूरी, दस्तावेज और तालमेल हैं; परिवार में घर की साझा जिम्मेदारी है। संतुलन और दिनचर्या मेहनत, आराम और भरोसेमंद दैनिक सहयोग देखती है। व्यवसाय और साझेदारी में ग्राहक, सेवा और समझौते हैं; घर और संपत्ति में स्वामित्व, खर्च उठाने की क्षमता और सुरक्षित आधार बनाए रखने का काम है। आध्यात्मिक अभ्यास में अध्ययन, चिंतन और निभने वाला अनुशासन मिलता है। हर पुस्तक का व्यावहारिक विस्तार अपना है। नीचे की सारणी मुख्य तारीखों को साथ रखती है ताकि असली प्रश्न के अनुसार प्राथमिकता चुन सकें। अपने निर्णय से मेल वाली पुस्तक लें, पहले जन्म संबंध समझें और फिर तारीख के पास दिया कदम देखें। करियर और काम, प्रेम और रिश्ते, धन और संपत्ति, विवाह का समय, रत्न और उपाय अपने अतिरिक्त विस्तार वाली अलग खरीद हैं।

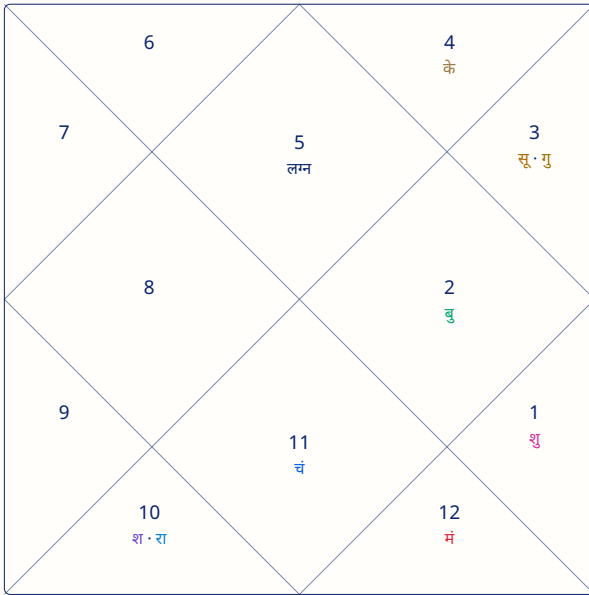
अध्याय 32

अध्याय 33

D1 · राशि — जन्म कुंडली

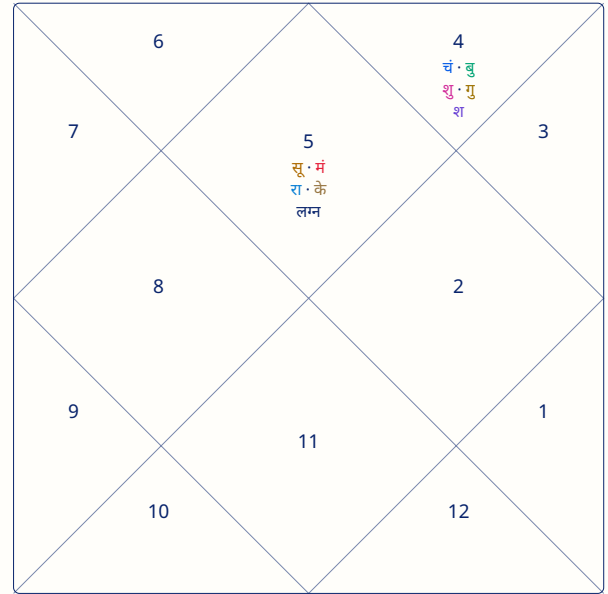
स्वभाव, साधन और जीवन के बारह क्षेत्रों की मूल कुंडली।

इस वर्ग का लग्न सिंह है। स्वामी सूर्य भाव 11 में है। इस क्षेत्र को आय के लक्ष्य, संपर्क और सहयोग से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: सूर्य, चंद्र, बुध, शुक्र, मंगल, गुरु, शनि, राहु, केतु।

**D2 · होरा — धन**

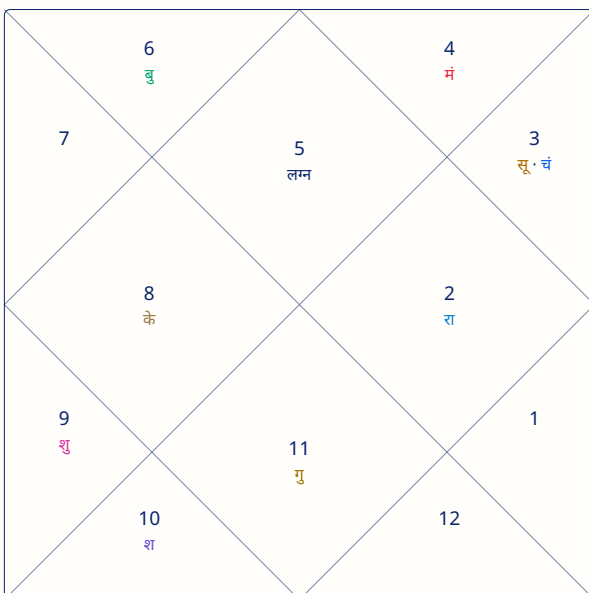
आमदनी, बचत और साधन सँभालने का तरीका।

इस वर्ग का लग्न सिंह है। स्वामी सूर्य भाव 1 में है। इस क्षेत्र को आपकी निजी दिशा से जोड़कर पढ़ें।

**D3 · द्रेष्काण — भाई-बहन और साहस**

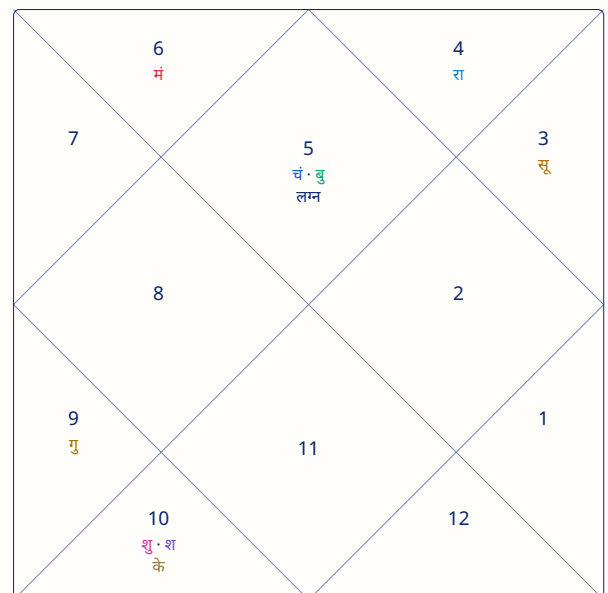
पहल, भाई-बहन और व्यावहारिक साहस।

इस वर्ग का लग्न सिंह है। स्वामी सूर्य भाव 11 में है। इस क्षेत्र को आय के लक्ष्य, संपर्क और सहयोग से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: सूर्य, शनि।

**D4 · चतुर्थाश — घर और संपत्ति**

घर, जमीन और भरोसेमंद आधार।

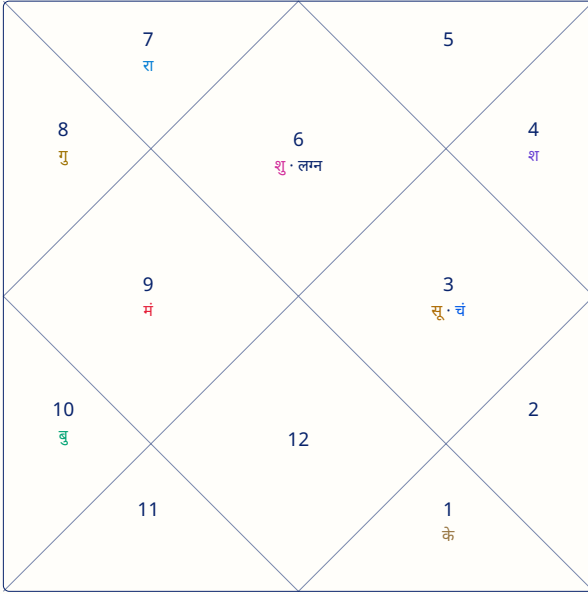
इस वर्ग का लग्न सिंह है। स्वामी सूर्य भाव 11 में है। इस क्षेत्र को आय के लक्ष्य, संपर्क और सहयोग से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: सूर्य, शनि।



D7 · सप्तमांश — संतान और रचना

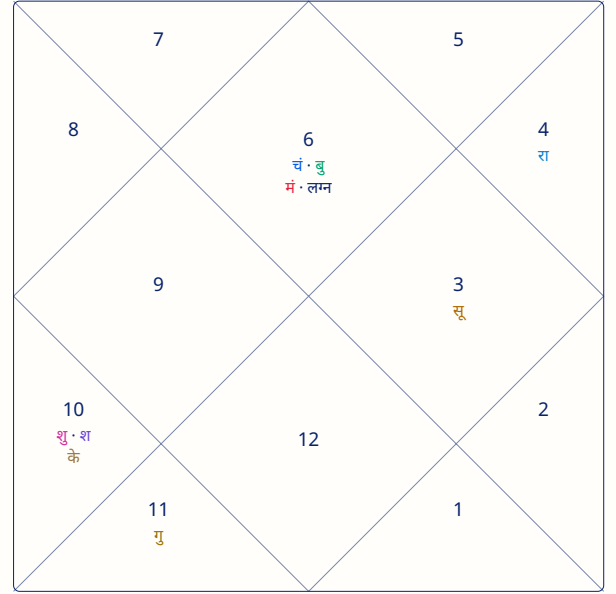
देखभाल, संतान और आगे पहुँचने वाली सीख।

इस वर्ग का लग्न कन्या है। स्वामी बुध भाव 5 में है। इस क्षेत्र को रचनात्मक काम, सीखना और बच्चे से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: सूर्य।

**D12 · द्वादशांश — माता-पिता**

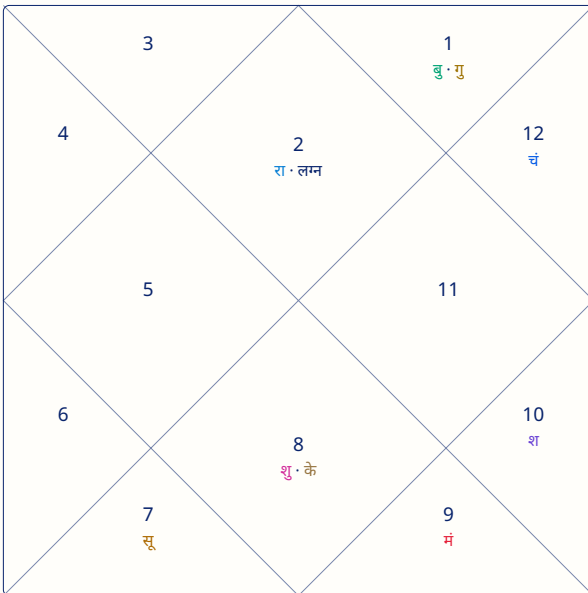
माता-पिता, पारिवारिक विरासत और सहयोग।

इस वर्ग का लग्न कन्या है। स्वामी बुध भाव 1 में है। इस क्षेत्र को आपकी निजी दिशा से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: सूर्य, शनि।

**D9 · नवांश — विवाह और आंतरिक बल**

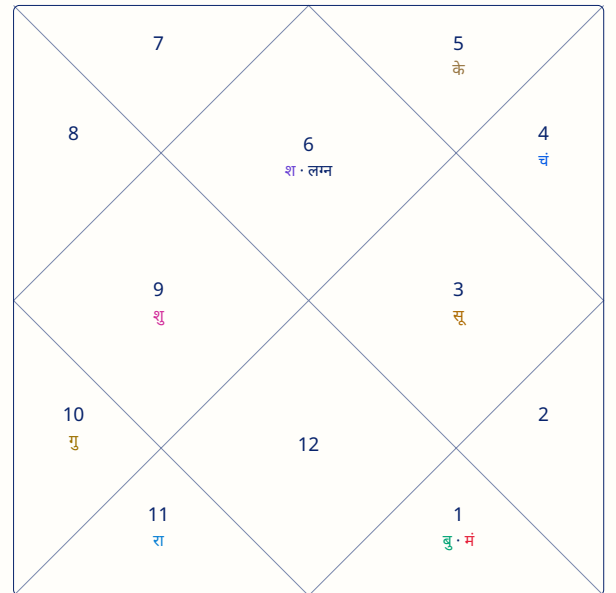
साझेदारी, साझा मूल्य और जन्म संकेत का बल।

इस वर्ग का लग्न वृषभ है। स्वामी शुक्र भाव 7 में है। इस क्षेत्र को साझेदारी, समझौते और ग्राहक से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: शनि।

**D10 · दशमांश — करियर**

जिम्मेदारी, पेशा और सार्वजनिक योगदान।

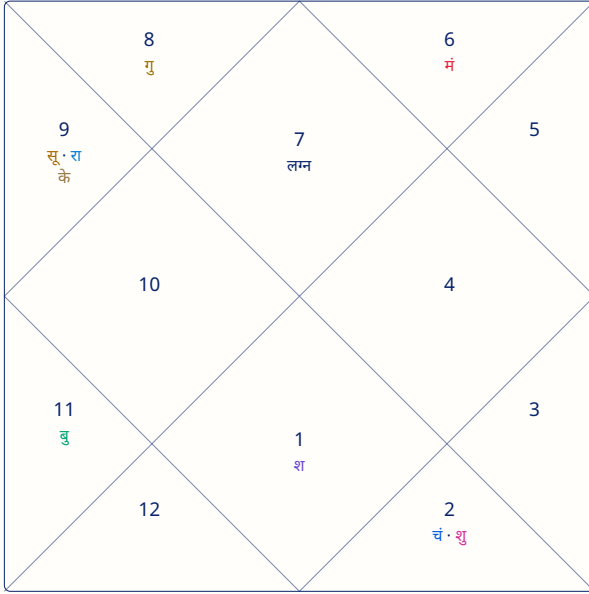
इस वर्ग का लग्न कन्या है। स्वामी बुध भाव 8 में है। इस क्षेत्र को साझा जिम्मेदारियाँ और बड़े बदलाव से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: सूर्य।



D16 · षोडशांश — सुख-सुविधा

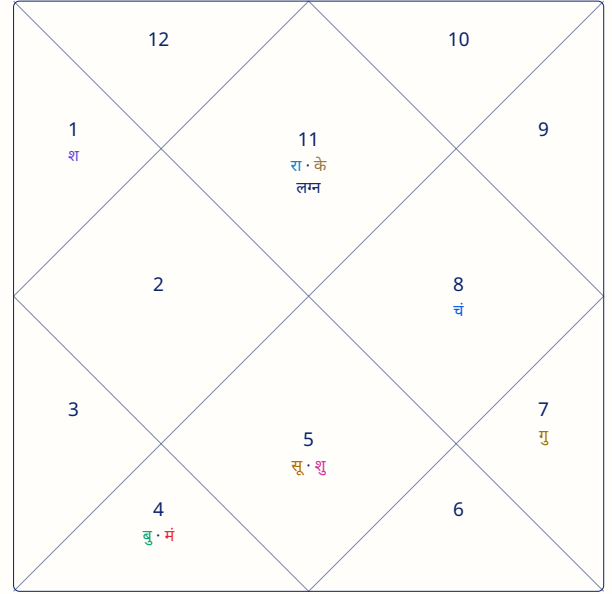
वाहन, रोज की सुविधा और संतोष।

इस वर्ग का लग्न तुला है। स्वामी शुक्र भाव 8 में है। इस क्षेत्र को साझा जिम्मेदारियाँ और बड़े बदलाव से जोड़कर पढ़ें।

**D20 · विंशांश — आध्यात्मिक जीवन**

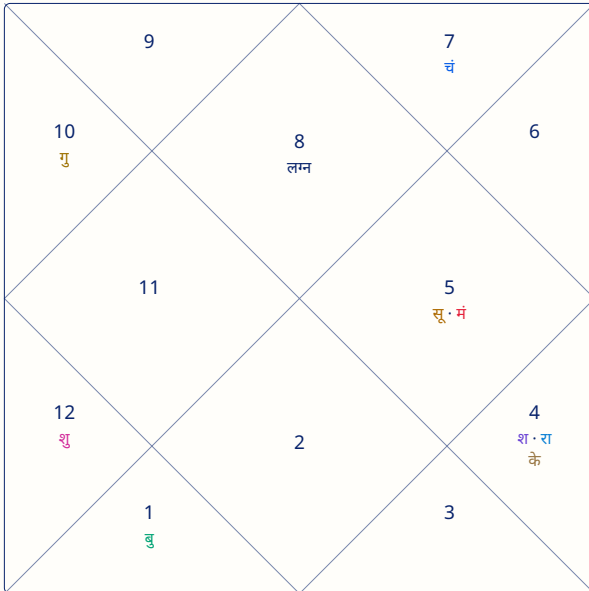
अपनी आस्था में स्वैच्छिक अध्ययन, प्रार्थना और मनन।

इस वर्ग का लग्न कुंभ है। स्वामी शनि भाव 3 में है। इस क्षेत्र को बातचीत, कौशल और पहल से जोड़कर पढ़ें।

**D24 · चतुर्विंशांश — विद्या**

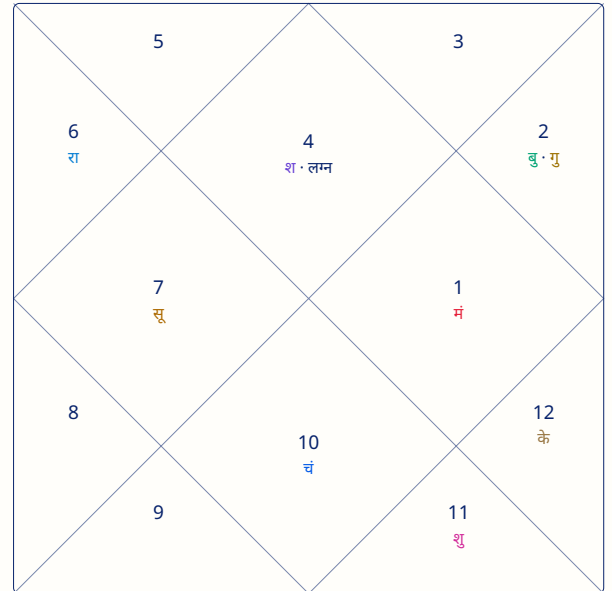
पढ़ाई, कौशल और नियमित अध्ययन।

इस वर्ग का लग्न वृश्चिक है। स्वामी मंगल भाव 10 में है। इस क्षेत्र को करियर, जिम्मेदारी और सार्वजनिक योगदान से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: केतु।

**D27 · भांश — बल और सहनशीलता**

प्रयास की जरूरत में काम आने वाले निजी साधन।

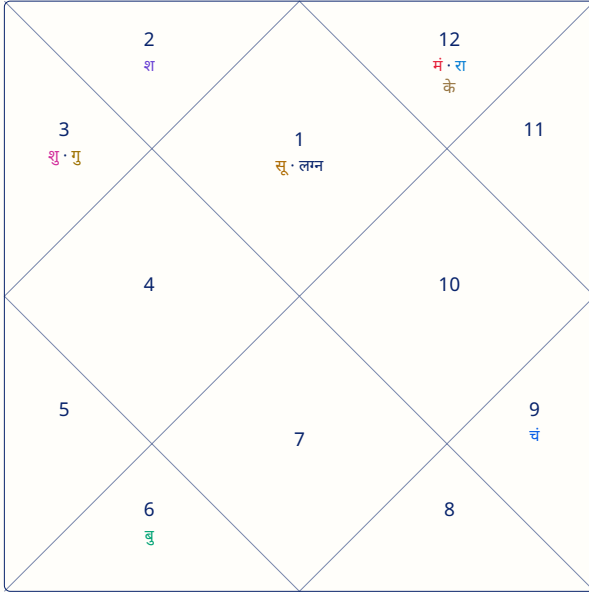
इस वर्ग का लग्न कर्क है। स्वामी चंद्र भाव 7 में है। इस क्षेत्र को साझेदारी, समझौते और ग्राहक से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: बुध।



D30 · त्रिंशंश — चुनौतियाँ

कठिनाई और उसका सामना करने की आदत।

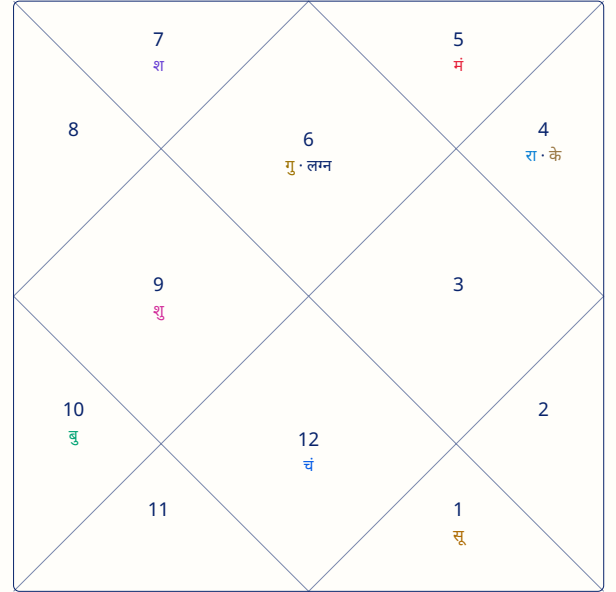
इस वर्ग का लग्न मेष है। स्वामी मंगल भाव 12 में है। इस क्षेत्र को आराम, निजी काम और खर्च से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: मंगल, गुरु।



D40 · खवेदांश — माता का वंश

मातृवंश से जुड़ी परंपरागत धारणाएँ।

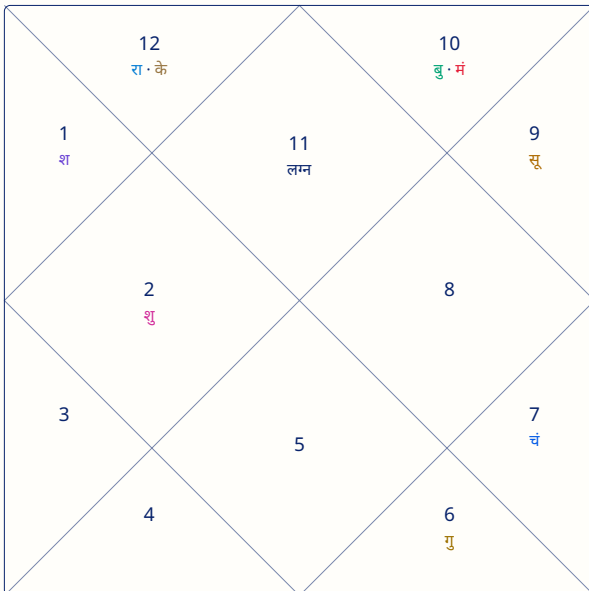
इस वर्ग का लग्न कन्या है। स्वामी बुध भाव 5 में है। इस क्षेत्र को रचनात्मक काम, सीखना और बच्चे से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: केतु।



D45 · अक्षवेदांश — पिता का वंश

चरित्र और पितृवंश की परंपरागत धारणाएँ।

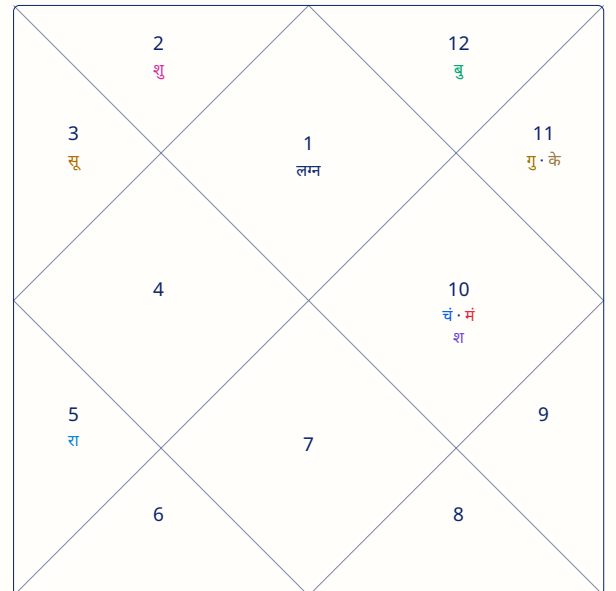
इस वर्ग का लग्न कुंभ है। स्वामी शनि भाव 3 में है। इस क्षेत्र को बातचीत, कौशल और पहल से जोड़कर पढ़ें।



D60 · षष्ठ्यंश — सूक्ष्म कुंडली

अत्यंत सूक्ष्म वर्ग; जन्म समय का छोटा बदलाव इसे बदल सकता है।

इस वर्ग का लग्न मेष है। स्वामी मंगल भाव 10 में है। इस क्षेत्र को करियर, जिम्मेदारी और सार्वजनिक योगदान से जोड़कर पढ़ें। जन्म कुंडली जैसी राशि: सूर्य, शनि।



अध्याय 34

अध्याय 35

अध्याय 31

अध्याय 43

अध्याय 44

अध्याय 45

शब्दार्थ • सरल अर्थ

लग्न

जन्म के समय पूर्व में उगती राशि।

महादशा

पारंपरिक दशा चक्र की मुख्य ग्रह अवधि।

अंतर्दशा

महादशा के भीतर छोटी ग्रह अवधि।

साढ़ेसाती

जन्म चंद्र से पिछली, उसी और अगली राशि में शनि का गोचर।

होरा

ग्रह के पारंपरिक स्वामित्व वाला दिन या रात का समय।

विंशोत्तरी दशा

जन्म के चंद्र स्थान पर आधारित ग्रहों की दशाओं का क्रम।

भाव

कुंडली के बारह विभागों में से एक, जिससे जीवन का एक क्षेत्र पढ़ा जाता है। इसे घोषित भाव पद्धति के अनुसार समझें।

स्वामी ग्रह

किसी राशि का परंपरागत स्वामी ग्रह। भाव में स्थित राशि का स्वामी उस भाव का स्वामी कहलाता है।

भावसंधि

चुनी भाव पद्धति में भाव की शुरुआत की सीमा।

उपस्वामी

नक्षत्र के अनुपात से बने छोटे हिस्से का स्वामी ग्रह।

कारक

सारणी में दिए स्थान और स्वामित्व के स्तरों से भाव से जुड़ा ग्रह।

आत्मकारक

इस पुस्तक की सात-ग्रह पद्धति में जन्म राशि के भीतर सबसे अधिक अंश वाला पारंपरिक ग्रह। राहु और केतु इस चयन में शामिल नहीं हैं।

कारकांश

मूल D9 में आत्मकारक की राशि। यहाँ दी प्रार्थना-परंपरा की जाँच में इसे संदर्भ राशि लिया गया है।

इष्टदेवता

स्वैच्छिक व्यक्तिगत प्रार्थना का परंपरागत संकेत; यहाँ इसे कारकांश से बारहवीं राशि से पढ़ा गया है। इससे आपकी धार्मिक पहचान तय नहीं होती।

धर्मदेवता

उद्देश्य से जुड़ा प्रार्थना का परंपरागत संकेत। कारकांश से नौवीं राशि और जन्म लग्न से नौवीं राशि की जाँच अलग-अलग की जाती है।

कुलदेवता

परिवार की पहले से चली आ रही पूजा-परंपरा। इसे कुंडली के स्वैच्छिक सुझाव से पहले रखें; नाम या कुंडली से इसका अनुमान नहीं लगाया जाता।